पीछे चली आती हैं यह बात दूसरी जगह नहीं देखी धूंएं की कश्तियों में हरतरह की डोंगियां और जहाज़ बंधे हुए यहीं पर इकट्ठे फिरते थे लेकिन हम लोग कुशल से फ़ेयरी जहाज़ पर सवार हुए और क्लाइड नदी में धूंआं तेज़ करके चले गये कुहासे से अंधकार हो गया था दूर की चीज़ बख़ूबी नज़र नहीं आती थी हम लोग पोर्टग्लासगो के छोटे क़स्बे से आगे बढ़कर एक बजने के क़रीब डम्बार्टन् के क़िले में पहुंचे नदी के बीच से चट्टान सीधा निकला हुआ और ऊंचे ऊंचे पहाड़ चारोंतरफ़ से घिरे हुए और इसके पीछे डम्बार्टन् का क़स्बा बसा हुआ तसवीर सा ख़ूबसूरत मालूम होता था हम लोग क़िले के ठीक नीचेही उतरे और चार्ल्स और सब लड़कों को साथ लिये गाड़ी पर सवार होकर क़िले के अन्दर गये रास्ते में बड़ी भीड़ जमा थी पर इन्तिज़ाम ख़ूब था बुर्जके ऊपर कई सीढ़ी चढ़कर जाना पड़ा वालिस् इसी जगह क़ैद था और आख़िरी क़िला था जो मेरी नाम स्काटलेन्ड की शाहज़ादी का तरफ़दार रहा इस बुर्ज पर से क्लाइड नदी और डम्बार्टन् की सैर दूर तक नज़र आती है और अगर कुहासा न होता तो बिनलोमन्ड का पहाड़ ज़रूर दिखाई देता अढ़ाई बजे फ़ेयरी जहाज़ पर फिर सवार होकर ग्रीनाक लौट आये उन्नीस धूंएं की नाव साथ हुई और लांग की खाड़ी की तरफ़ जाते हुए दाहनी ओर रोज़ नीथ मिला यहां ड्यूक और डचेज़्आर्गाइल रहते हैं लांग की खाड़ी पन्द्रह मील लम्बी और हरे हरे पहाड़ों से घिरी हुई बड़ी शानदार है स्काटलेन्ड के पूर्वदिशा की समान यह जगह नहीं है इस खाड़ी ने ऐसा सुंदर फेर खाया है कि बाज़ जगह मालूम होता है कि यहीं पर ख़तम हो गयी चार्ल्स को स्विटज़रलेन्ड और टिरोल याद आया लांग की खाड़ी में सब से उम्दा जगह वह है जो

गोइल खाड़ी के साम्हने है काब्नर नाम पहाड़ को बखूबी देखा उसकी चोटी का आकार अजीब है मानो एक आदमी बैठा हुआ झुककर अपना जूता संवार रहा है खाड़ी के सिरे पर से बिनलोमन्ट पहाड़ नज़र आया हम लोग इसके बहुत निकट थे ॥

जिधर से आये थे उसी तरफ से फिर चले सूरज नज़र नहीं आता था दो एक मर्तबा ज़रा ज़रासा कुहासा छागया तिसपर भी आज का दिन साफ़ था आठ बजे राथसे में पहुंचतेही विक्टोरिया औ आलबर्ट नाम जहाज़ पर सवार हुए हम लोग थकतो बहुत गये थे पर देखने भालने से जी बहुत खुश और बहाल था ॥

लड़कों को नई चीज़ और धूम धाम के देखने से अजीब तरह की खुशी होती है लोगों ने ड्यूक राथसे और ब्रिटन् की शाहज़ादी को मुबारकबादी दी हर जगह हाईलैन्ड के नेक लोगों ने बड़ी खुशी मनाई राथसे कां छोटासा क़सबा एक सुन्दर खाड़ी के चारों तरफ़ बसा है दूर से पहाड़ और एक बन्दर नज़र आता है रात को खाना खाने के बाद जहाज़ के सहन पर निकल आये देखा सारे शहर में खूब रोशनी हुई है और हर एक खिड़की दिप रही थी ॥

बुधवार, अगस्त १८ ॥

आज की सुबह साफ़ और चमकीली थी सिर्फ़ पहाड़ पर कुछ बादल मालूम होता था फ़ेयरी जहाज़ पर सवार होकर हम सब लोग "काइलिस आफब्यूटी" पहाड़ की तरफ़ गये ज्यों ज्यों आगे बढ़ते गये खूबसूरती अधिक नज़र आई और पहाड़ एक दूसरे के बाद ऐसे अजीब अंदाज़ पर हैं कि बाज़े वक़्त धोखा हो जाता था कि इनके आगे और पहाड़ न होंगे ॥



दूर पर बाईं ओर कम्ब्रे में आये ओर वहां से लौटे लांग की खांड़ी पर पहुंचे फिर राथसे आये ओर बाईं तरफ़ आरान् को छोड़ा ओर फिर फ़ाइन की खाड़ी में दाख़िल हुए मेरे सिर में दर्द हो गया था लाचार लेटी रही ओर जब इन्बरेरी पहुंचने में घंटा भर बाक़ी था तब फिर जहाज़ के सहन पर आये इस जगह इन्बरेरी का झील फैला हुआ नज़र आता. है ओर उसके दोनों तरफ़ के पहाड़ पेड़ों से सब्ज़ बने हैं पर बहुत ऊंचे नहीं हैं ॥

इन्बरेरी पहुंचते हुए रास्तेही से कैफ़ियत उस जगह की शानदार मालूम होने लगी यह झील बहुत चौड़ी है निगाह के साम्हनेही सूरज की रोश्नी से पहाड़ की क़तार सब्ज़ ओ गुलाबी ओ बेगनी चमक रही थी बाईं ओर इन्बरेरी का छोटासा क़सबा ओर चौखूंटा चारों कनारें पर बुर्ज पाइन के पेड़ों से घिरे हुए शोभायमान हैं ॥

ठीक हाईलेन्ड के दस्तूर के मुवाफ़िक़ लोगों ने हमारा इस्तिक़बाल किया ड्यूक ओर डचेज् आरगाइल ओर डचेज्सदरलैन्ड ओर लार्डस्टाफ़ोर्ड ओर लेडीकेरोलाइन लिबेसनगोअर ओर ब्लान्टायरवालों ने जहाज़ से उतरते वक्त घाटपर हम लोगों का इस्तिक़बाल किया यहां की ज़मीन हीदर घास से सजी थी आइले मुक़ाम का कैम्बेल ओर दूसरे कोल्टिक लोग ओर कैम्बेल के दो बेटे ओर ओर ख़ानदान के बहुत से लोग सफ़

बांधे हुए गाड़ी के नज़दीक खड़े थे दोनो बेटों में एक बड़ा था और दूसरा छोटा ख़ूबसूरत लड़का दोनो डचेज़् के साथ हम लोग एक गाड़ी पर सवार हुए और चार्ल्स और ड्यूक कोचबक्स पर बैठ लिये बाक़ी लड़कों को फ़ेयरी जहाज़ पर छोड़ आये गाड़ी बड़े बड़े पेड़ों के दर्मियान और एक लम्बी दून में होकर गई बेनशिरार आदि पहाड़ों को देखा आज आकाश बहुतही निर्मल था इन्वरेरी योंहीं बड़े बड़े पेड़ और ऊंचे पहाड़ और एक उम्दः झील से सजी है इस समय उसकी शोभा और भी चमतकार दिखलाई दी ॥

बांसरीवाले गाड़ी के आगे आगे और हाईलैन्डर सिपाही दोनो तरफ़ मकान पर पहुंचने तक पैदल साथ रहे दरवाज़े पर मार्क्विसलार्न खड़ा था यह अभी दोही बरस का लड़का है और अपने मा बाप का सां मोटा ताज़ा गोरा और सुंदर कैसा प्यारा हंसमुख और निडर है काले मख़मल की कुर्ती और हाईलैन्ड की बानेटटोपी पहने था दो बजे अपने मेज़बानों के साथ नाश्ता किया हाईलैन्ड के रईस हथियार बांधे कमरे के अंदर खड़े थे लड़के भी बुला आये और नाश्ते के वक़्त तक पहुंच गये तीन बजने से पेश्तर इनवरेरी से चले लड़कों को भी गाड़ी में बिठा लिया आर्गाइल के लोग और डचेज़् सदरलैन्ड वग़ैर: हम लोगों को फ़ेयरी जहाज़ तक पहुंचा कर रुख़सत हुए फाइन खाड़ी में धूंएं के जहाज़ पर चलते हुए पहाड़ों की रोश्नी ख़ूबसूरत मालूम होती थी पांच बजे गिल्प खाड़ी में पहुंच कर उसके सिरे पर सब के सब उतरे यहां बहुत से लोग जमा थे सरजानपीओर्डी ने हम लोगों को अपनी गाड़ी सवार होने के लिये दी और बड़ी ख़ातिर से मिले हम सब लोग गाड़ी पर सवार हो कर गांव के अंदर से क्रिनन् नहर के कनारे जा पहुंचे यहां बड़ी तैयारी

तीन बजे स्टाफ़ा के साम्हनेही लंगर पड़ा ओर हम लोग चार्ल्स ओर सब लड़के ओर बाक़ी सब आदमियें समेत बजरे पर सवार होकर स्टाफ़ा की गुफा की तरफ़ गये मोड़पर पहुंचने से लोहे के खंभे पत्थरों की तरह अजीब नज़र आये ओर जब हम लोग मोड़ से फिर कर फिंगल की नामी गुफा में आये तो मालूम हुआ कि हम लोग एक बड़े भारी गुम्वज़ के अंदर घुसे बहुत भयानक था डर मालूम हुआ बजरा समुद्र की लहर से डगमगा रहा था यह गुफा बड़ी ऊंची थी पर २२० फ़ुट से अधिक नहीं ओर जेसा मैंने सोचा था उतना चोड़ा उसका मुह नहीं था केवल ४० फ़ुट चोड़ा था गुफा के अन्दर पानी अथाह ओर पानी के नीचे पत्थर सुर्ख़ नीले सब्ज़ ओर दूसरे रंग के भी थे यह पहिली बार है कि ग्रेटब्रिटन् की कोई महारानी अपने स्वामी लड़केवाले ओर बादशाही झंडे सहित फ़िङ्गल गुफा में आई लोगें ने तीन मर्तबे ख़ुशी की आवाजें कीं ख़ूब गूंज उठीं फिर उलटे बाहर निकल आये ओर थोड़ी दूर आगे जाकर दूसरी गुफा देखी ओर हर्डसमेन नाम नुक्कड़ पर पहुंचे समुद्र की लहर गुफा में चढ़ रही थी अर्थात् जुआर का समय था ओर अगर हम लोगें का यहां पहुंचने में एक घंटे की ओर देर हो जाती तो शायद अंदर जाना मुशकिल होता ॥

हम वहां से फिर कर जहाज़ पर आये आलबर्ट ओर चार्ल्स दुबारा स्टाफ़ा में उतरे ओर पोन घंटे बाद जब वे लोग लैाट आये हम लोग आगे बढ़कर आयोना में आये यहां आलबर्ट ओर चार्ल्स घंटे भर तक ज़मीन पर उतर कर सैर करते रहे इस समय में सब लेडियां ओर हम नक़शा खींचने लगे जहाज़ पर से सेन्टओरान के पुराने गिरजे का खंडहर देखा आलबर्ट ओर चार्ल्स ने वहां से आकर बयान किया कि खंडहर

बड़ा अजूबा है उसमें दो ख़ानक़ाह हैं ओर पुराने सलीब ओर बादशाहों के कबरों के निशान अब तक क़ाइम हैं इस लिये ज़रूर हुआ कि दूसरी मर्तबा में भी आकर उसे देखूं अब हम लोग आगे बढ़े ओर नौ बजे टोबरमोरी पहुंचे यहां रोश्नी ख़ूब हुई थी ॥

शुक्र, अगस्त २० ॥

साढ़े सात बजे जब नींद खुली सुबह साफ़ न थी साढ़े आठ बजे ख़ूब पानी बरस रहा था उसी में हम लोग टोबरमोरी से चले मैं अंदर बैठी हुई तसवीर खींचती थी ओर रंग लगाती थी साढ़े दस बजे साफ़ हो गया मैं बाहर सहन पर आई लिनही खाड़ी की मनोहर शोभा ओर पहाड़ों की सुंदर छटा देखी लिनही से इलकी खाड़ी में आये दाहनी ओर लेवान् खाड़ी का मुहाना था इसके एक सिरे पर बहुत सुंदर ग्लेन्को का पर्व्वत है उसपर तीसरे विलियम् बादशाह के समय में मैकडोनल्ड का खान्दान बड़ी बेदरदी से क़तल हुआ था ॥

एक बजने से कुछ पेश्तर फोर्टविलियम् नाम एक छोटीसी जगह में पहुंचे तीसरे पहर का वक़ बहुत चमकीला था ओर चारों ओर की सैर ख़ूब दिखलाई देती थी नाश्ते के बाद आलबर्ट ओर चार्ल्स फ़ेयरी जहाज़ पर सवार होकर ग्लेन्को पहाड़ देखने गये ओर बीस मिनट ऊपर सात बजे फिर आये आलबर्ट के कहने से मालूम हुआ कि ग्लेन्को पहाड़ उम्दा तो है पर जैसा उन्होने सोचा था वैसा नहीं वे एक अजीब तरह की गाड़ी पर सवार हुए थे जिसमें तीस आदमी के बैठने की जगह बनी थी जिन लोगों ने आलबर्ट को पहिचाना ऐसी अपनी भक्ति दिखलाई कि गाड़ी से घोड़ों को अलग करके आपही बड़ी हठ से खींच ले गये ॥

शाम को पानी बरस रहा था ओर ख़ूब सर्दी पड़ रही थी ॥

मुझ को बड़ा रंज है कि कल इस जहाज़ को छोड़ना पड़ेगा इतने दिनों तक कैसे चैन से हम लोग रहे और कलही यह सुखदाई समुद्र की सैर और पच्छम के खाड़ियों और टापुओं का दौरा ख़तम हो जायगा हा इन सभों ने अपनी सुंदरता की क्याही अपूर्व छबि दिखाई कि जिनके देखने से काव्य इतिहास की तरह तरह की तरंगें याद आती हैं ॥

आर्डबेरीकाई, लेगन की खाड़ी, सनीचर, अगस्त २१ ॥

अफ़सोस कि आज की सुबह बड़े जाड़े पाले की है नौ बजने के पहिलेही हम लोग तैयार बैठे थे गाड़ी के सबब देर हुई आख़िर को सब लोग फ़ोर्टविलियम में उतरे यहां बहुत से हाईलैन्डर रंग बरंग के ऊनी डोरिये की पोशाक पहिने जमा थे लार्ड और लोबेट और स्टूवर्ट मेकेन्ज़ी साहिब उनके अफ़सर थे चार्ल्स और दोनो लड़कों के साथ हम लोग गाड़ी पर सवार हुए सवारी देखने के लिये बड़ी भीड़ जमा थी एक सुनसान और जंगली रास्ते से गुज़र हुई इस रास्ते का अन्तभाग पहाड़ औ नदियों के कारन बहुतही रमणीक था यह देखकर ग्लेन्टिल्ट पहाड़ याद आया एकही मर्तबा डाक के घोड़े बदले गये अन्तको लेगन खाड़ी नज़र आई और और खाड़ी जो हम देख आये उसके हिसाब यह छोटी थी पर बहुत सुंदर और पहाड़ों से घिरी थी औ इसके बग़ल में सड़क बड़े बहार की है लार्डएबर्कोर्न का आर्डबेरीकाईवाला मकान देखा लोगन के निकट सिर्फ़ एक छोटी सराय और उसके सिरे पर एक गुज़ारे का घाट है मूसलाधार पानी बरस रहा था तौभी बहुत से हाईलैन्डर लोग और क्ूनीवाला मेक्फ़र्सन और उनके तीन बेटे और टूलोटवाला डेविड्सन् और और भी लोग और लार्डएबर्कोर्न हाईलैन्ड की पूरी वर्दी पहिने हाज़िर थे गाड़ी से निकले और तैरते हुए पुल पर खड़े हो गये औ

दोही तीन मिनट में पार पहुंच गये फिर अपने टांघन की गाड़ियों पर सवार होकर बीस मिनट में आर्डवेरीकाई में दाख़िल हुए यहां का मकान झील के ऐन कनारे पर है और इस समय में लिखरही हूं अगर्चि पानी बरसने के सबब से धुंध छा रहा है तौभी खिड़कियों से सैर सुंदर और जंगली तौर की नज़र आती है चार पांच मील के दर्मियान कोई गांव मकान वरन झोपड़ा भी नहीं है आर्डवेरीकाई में आने की सिर्फ़ दोही उपाय है याता गुज़ारे के घाट से आवै या झील में कश्ती पर सवार होके यहां का मकान पत्थरों का बना हुआ शिकार खेलने के लिये बड़े आराम का है कई कमरे इसमें उम्दा हैं बाहर की दीवारों पर हिरन के सींग बराबर से लगे हैं और दरबार औ अंदर के कमरों की दीवार पर हिरन की बहुत ख़ूबसूरत तसवीरें लैन्डसीयर मुसव्विर की खैंची हुई हैं ॥

आर्डवेरीकाई में ठहरने का हाल बहुत थोड़ा है यह जगह बहुत उम्दा है पर हम लोग बड़े ख़राब मौसिम में आये ॥

१८ तारीख को पांच बजने के क़रीब आलबर्ट और हम गुज़ारे के पुल पर से किंग्युसाई की सड़क पर आये यहां से ऊंचे और निकले हुए जंगलों से ढके पहाड़ों की शोभा और टूनें और चश्मे और झर्ने और जा बजा चरागाहों में घास सुखाते हुए लोगों को और इधर उधर दो चार झोपड़ों की शकल देखकर थुरिंगेन याद आया स्ट्रेथमैशाई नाम एक छोटे मौज़े में गये यहां कर्नेलमैकफ़र्सन् अब रहते हैं और फिर लौट आये इसमें १६ मील गाड़ी पर चलना पड़ा जगत की आश्चर्य अपूर्व और विचित्र शोभा देख बड़ा आनन्द हुआ वृक्षों से पर्व्वत आदि की सुंदरता बहुत अधिक होती है सो यहां ख़ूब छाये और घने पाये ॥

बृहस्पति, सिप्तम्बर १६ ॥

आज छ बजे सुबह को आलबर्ट केलीडोनियन् नहर देखने के लिये इनवरनेस् गये ॥

शुक्र, सिप्तम्बर १७ ॥

दो बजे लड़कों के साथ आर्डवेरीकार्ड से चल कर साढ़े छ बजे फोर्टविलियम् पहुंचे आलबर्ट को जहाज़ पर पाया बड़ा आनन्द हुआ सब कुशल था केवल मौसिम की शिकायत थी आलबर्ट से मालूम हुआ कि डाकफोर का मकान बहुत सुंदर नया ख़ुश क़िता और एक अच्छे बाग़ से आरास्ता है जार्जियेनाबेइली साहिब और उन्की लेडी बहुत ख़ूब लोग हैं ॥

नाच में शरीक होने के लिये आलबर्ट इनवर्नेस गये थे वहां पर उनकी बड़ी ख़ातिर्दारी हुई थीं आज सुबह उन्होंने बड़ा भारी और बहुत ऊंचा स्माफोपर्स का झर्ना देखा है और कहते थे कि कैलिडोनियन नहर का काम क़ाबिल देखने के बना है ॥

रायन की खाड़ी सनीचर सिप्तम्बर १८ ॥

पांच बजे फोर्टविलियम को छोड़ा सुबह तो साफ़ था पर हवा तेज़ चल रही थी और समुद्र में लहरों का ज़ोर था यहां तक कि जहां हम लोग थे वहां पर भी मालूम होता था जब जहाज़ की सहन पर आये जूरा का टापू नज़दीक था उसकी सुंदर तीखी उमड़ी हुई धार नज़र आती थी क्रीनान की खाड़ी में जाकर बजरे पर आये ख़ूब तूफ़ान और पानी मिला एक महीने पहिले जब हम यहां आये थे ऐसी ख़राबी न थी क्रीनान पर उतरे मालकम् साहिब ने जिनका क़िला दूसरी तरफ़ साम्हने ही है हम लोगों का इस्तिक़बाल किया दसबजे नहर की किश्ती पर

सवार हुए पहिली मर्तबा से अब की सिवाय तेज चले और लोग पहिले के मुवाफ़िक़ दौड़ते हुए गये नहर की हरएक मिहराब पर बांसुरी बजती थी और बराबर पानी भी बरस रहा था मूसलाधार पानी में गिल्पहेड की खाड़ी में बारह बजे पहुंच कर लाकईग्ल जहाज़ पर सवार हुए दूसरा एक जहाज़ मुलआफ़कोन्टायर होकर रवाना हुआ कि कैम्पबेल्टौन में मौजूद रहे देखिये कि अब की बार का मौसिम कुछ और ही तरह का था ॥

लंगर उठा और हम लोग क़िला ब्रेन्नानसैान्ड और आरान की राह आगे बढ़े दम भर को सहन पर निकल आये पर पानी ने दम न लेने दिया पांच बजने में बीस मिनट बाक़ी रहे केन्टायर की तराई में कैम्प-बेल्टौन नाम एक छोटे साधारन स्थान पर पहुंचे हमारे यहां आनेके आध घंटे के बाद जहाज़ जो पहिले से भेजे गये थे आपहुंचे हम लोग फ़ौरन् सवार हुए यह सब बड़े तूफ़ान में पड़ गये कप्तान क्रिस्विन ने कहा कि यह बड़ी बात हुई कि हम लोग विकटोरिया औ आलबर्ट जहाज़ पर सवार नहीं हुए थे यह सुन कर हम लोग डरे कि कल के सफ़र का क्या हाल होगा और शाम को आकाश का कुरंग देख कर और भी भय हुआ बड़ा सलाहमशवरा हुआ कि क्या करना चाहिये आख़िर को यह बात ठहरी कि चारही बजे सुबह को चल दीजिए और अगर समुद्र में लहरों का जोर न देखने में आवे तो रायन की खाड़ी या मुल आफ़गैलवे या रामजे की खाड़ी या मैंन टापू के डगलस नाम बन्दर में झट पट जल्द चले जावेंगे ॥

रायन की खाड़ी ऐतवार सितम्बर १९ ॥

चार बजे हम लोग चले जहाज़ लहर में ख़ूब लहराने लगा लेकिन अभी तक कुछ हरज न था पर ले.गोंने अंदाज़ से यह बिचारा कि कोई

बड़ा भारी तूफ़ान आया चाहता है और तोपों की मार के सूराख़ बन्द करने आये आलबर्ट अभी सोकर उठे थे कि इतने में लार्डऐडालफ़स आये और उनसे मुलाक़ात करके अर्ज़ किया कि अभी बड़ा भारी हल चल हुआ चाहता है इस पर यह बात ठहरी कि थोड़ी दूर पीछे हट कर रायन की खाड़ी में चलें और ऐसा ही हुआ साढ़े आठ बजे वहां पहुंचकर लंगर पड़ा क्या ही भयङ्कर पानी बरसा कि वह सब उम्दा उम्दा चीज़ें जो हम लोग एक मर्तबा देख गये ज़रा भी न दिखलाई दीं ॥

अब की और पहिले भी जब हम लोग रायन की खाड़ी में आये थे लार्डआर्कनी ने बड़ी इन्सानियत से शिकार और तरह तरह की चीज़ें भेजीं ॥

बारह बजे लार्डऐडालफ़सने एक मुख़्तसर समुद्र की नमाज़ पढ़ी बाद इसके हम लोग अपने सफ़र की बात चीत करते रहे और सोचते थे कि क्या करना होगा दिन बड़ा नामाक़ूल था न पानी का तार टूटता और न हवा पीछा छोड़ती थी अंत को यह ठहर गयी कि अगर्चे तूफ़ान भी हो यहां से तीन बजे निकल कर मुलआफ़गैलवे में जाके रात को रहना चाहिये और वहां तीनही घंटे में पहुंच जांयगे ज्योंहीं खाड़ी के बाहिर हुए जहाज़ उछलने लगा और लहरों का बेतरह ज़ोर था हमारी तबीयत बहुत बीमार हो गयी पर आलबर्ट निडर बने रहे और लड़कों ने भी सहलिया इतने में गैलवे का एक पहाड़ जिस पर जहाज़वालों को राह बतलाने के लिये रोश्नी थी नज़र पड़ा और यहीं से गोया प्यारा स्काटलेन्ड ख़तम हुआ ॥

सोमवार सिप्रम्बर २० ॥

छ बजे लंगर उठा और दो घंटे तक जहाज़ आगा पीछा करते और पानी के साथ लड़ते झगड़ते हुए मैंन टापू के निकट धीरे पानी पर पहुंचे और साढ़े आठ बजे रामज़ी खाड़ी में लंगर पड़ा ॥

आलबर्ट कनारे के नज़दीक गये इतने में सुडर और मैन टापू के पादरी बिशप् लोग और उनके साथी जहाज़ पर आये बारह बजे आलबर्ट घूम फिर आये और एक बजे फिर कूंच हुआ जहाज़ के पहिये बिगड़ गये थे इससे जाने में देर लगी ॥

सात बजे फ्रीटउड के बन्दर मे लंगर पड़ा इसका मुहाना बहुत तंग और ख़राब था चह से भिड़कर जहाज़ लगाये गये कि लहर से बहक न जायं जब हम सहन पर निकले देखा ते बड़ा खड़भड़ मच रहा था कोई दौड़ता कोई पुकारता और कोई रस्सा खींचता हुआ सब अपने अपने क़ामों मे लगे थे हवा तेज़ चलती थी और रात बड़ी परेशानी से कटी ॥

मंगल सिप्रम्बर २१ ॥

दस बजे हम लोग ज़मीन पर उतरे और रेल पर सवार होकर लन्दन की राह ली ॥

पहले पहल बालमोरल को देखने का हाल ।

बालमोरल, शुक्रवार, सितम्बर ८, १८४८ ई ॥

पौने तीन बजे बालमोरल में दाखिल हुए यह एक सुंदर छोटासा क़िला स्काटलेन्ड के पुराने चाल का बना है इसके साम्हने बुर्ज और बाग़ और एक ऊंचा पहाड़ पेड़ों से हरा भरा तसवीर का आलम दिखाता है पीछे की तरफ़ डी नदी के कनारे तक बराबर जंगल है और चारों ओर पहाड़ घेरे हुए हैं ॥

अंदर एक छोटा सा नफ़ीस दालान एक गेंद खेलने का कमरा और खाना खाने का कमरा है दाहिनी ओर एक उमद: चौड़ सीढ़ी है ऊपर जाकर हमारे बैठने का एक बड़ा भारी कमरा खाना खाने के कमरे के ठीक ऊपर है पहले उसमे दर्बार होता था इसके बाद हमारे सोने का कमरा है और उसमे से होकर एक छोटी कोठरी आलबर्ट के पोशाक पहिनने की है फिर दूसरी तरफ़ चंदक़दम पर मिस हिलडियर्ड और लड़कों के लिये तीन कमरे हैं बीबियां नीचे रहती थीं और सब साहिब लोग ऊपर ॥

यहां पहुंच कर नाश्ता किया और साढ़े चार बजे बाहर टहलने को जाकर उस हरे भरे पहाड़ की चोटी पर चढ़ गये जो खिड़कियों से नज़र आता था वहां एक केर्न है और उसके ऊपर से एक फेर फार का सुंदर रास्ता बना है यहां से नीचे के मकान की सैर मनोहर है बाईं ओर लाकनागार पर्बत छोटे पहाड़ियों से घिरा हुआ देखिए और दाहनी ओर बल्लाटर की तरफ़ दून मे जहां डी नदी बहती है सुंदर

जंगलों से लदे पहाडों की सैर यहां से कर लीजिए यह देख कर युंगिंग-रवाल्ड बहुत याद आता है ऐसा एकान्त और स्थिर सब था कि चारों ओर की कैफ़ियत से आंखों को सुख कलेजे को ठंढक होती है और पहाड़ की साफ़ हवा से बड़ी ताज़गी पहुंचती है मानो सुख और स्वतन्त्रता का घर यहीं है यहां आने से आदमी दुनिया के दुख धंधे को भूल जाता है॥

जंगली तौर की जगह थी पर उजाड़ नहीं मालूम होता था और ल्युगन से यहां पर हर चीज़ बहुत ज़ियादः आबाद और भरी पुरी थी ज़मीन भी गीली औ। ख़राब न थी हम लोग डी के कनारे पर पैदल चले यह नदी मकान के पीछे ही बहुत तेज़ बहती है इनुबरकाल्ड की तरह पहाड़ों की सैर बहुत ही ख़ूब है॥

साढ़े छ बजे जब मैं फिर आयी आलबर्ट मकान के पास जंगलों में हिरन के साथ अपनी क़िसमतआज़माई करने को निकले पर ख़ाली हाथ फिरे सूरज डूब जाने पर यहां हिरन मकान तक चले आते हैं॥

लाकनागार पहाड़ पर पहिलीबार चढ़ने का हाल ।

सनीचर, सितम्बर, १६, १८४८ ॥

साढ़े नौ बजे आलबर्ट और हम डाकगाड़ी पर सवार होकर बालमोरल से पांच मील पर बेलकबूई के जंगल में एक पुल तक पहुंचे यहां हमारे टांघन और लोग मौजूद थे हम लोग घोड़े पर सवार हुए फरकुहरसन् साहिब का एक बनरखा राह बतलाने को साथ हुआ और मेकडोनल्ड * जो शिकारी कपड़ा घुटने तक पहिने तसवीर सा मालूम होता था और ग्रान्ट + हमारे नाश्ते का असबाब दो पिटारों में लिए एक टांघन पर और बेटरबरी दूसरे टांघन पर सवार हुए सुंदर बन के

---

* शाहज़ादे का ख़वास जो पच्छम के आगसस किले से आया था यह बड़ा कद्दावर और ख़ूबसूरत जवान था यह बेचारा मई १८६० ई को विजर में दमे की बीमारी से मर गया है उसका बड़ा बेटा जापान देश में अंगरेज़ी एलची का मुसाहिब बन कर गया था वह भी १८६६ ई में मर गया तीसरा बेटा आर्काई शाहज़ादा वेल्स का ख़वास है और साल भर प्यारे शाहज़ादे के पास था ।

\+ बनरखों का सर्दार इसने बीस बरस तक सर राबर्ट गार्डन की नौकरी की है तिस में नौ बरस बनरखे का काम करता रहा १८१० साल में बीमर में पैदा हुआ था आदमी निहायत उम्दा ईमानदार अकल औ ज़िहन का बहुत तेज़ और मेरे औ शाहज़ादे की ख़िदमत में बड़ा जांनिसार था कुशादा पेशानी था और इस के चिहरे से अकलमंदी ज़ाहिर होती थी और शाहज़ादा इस को बहुत चाहता था इसके छ बेटे हैं आलिक नाम दूसरा बेटा हमारे शाहज़ादा लियोपोल्ड के तोशाख़ाने का दारोग़ा है और छओं बेटे नेक और सुशील और अपने अपने कामो में होशियार हैं उसकी मा नेक तन दुरुस्त और अस्सी बर्स की बुढ़िया है और एक छोटे से मकान में जो शाहज़ादे ने उस के लिये हमारे इलाक़े में बनवादिया है रहती है और खुद ग्रान्ट बालमोरल से एक मील पर जंगलों के बीच क्राग नाम एक मकान में रहता है वह मकान भी शाहज़ादे ही ने उसके लिए बनवा दिया है ॥

बीच से एक मील जाकर फिरे ओर धीरे धीरे ऊंचे पर चढ़ने लगे शोभा अधिक होती गयी सड़क न थी पर ज़मीन अच्छी थी काई घास ओर पत्थर इन्ही पर से चलना पड़ा घरसे निकलने पर पौन घंटे के बाद आलबर्ट ने हिरन देखकर उनका पीछा किया ओर मैने ज़रा दम लेलिया लेकिन वह जल्दही लौट आये ओर छोटे से पहाड़ी सोते के उस पार हमारे लिये ठहरे रहे हमारे ईमानदार हाईलैन्डर लोग ढोंको को हटाते चले ओर मैं अपने टांघन पर सवार हलती हुई पार गयी फिर हम लोग थोड़ी दूर आगे बढ़े ओर मैं उतर कर ज़रा पैदल गयी ओर फिर सवार हुई मेकडोनल्ड टांघन के साथ था बेनना भोर्ड ओर आस पास की सब चीज़ों की सैर बहुत सुंदर मालूम होती थी लेकिन ओर ऊपर चढ़ने से लाक-नागार पर कुहासा मिला आलबर्ट मुझे छोड़ कर टारमीगन चिड़िया के शिकार को गये ग्रान्ट उनके साथ हुआ ओर सब लोग हमारी ख़बर-दारी करते हुए रह गये मेकडोनल्ड बड़ा भला मानस एतबारी ओर परिश्रमी है ओर बेचारा बैटरवरी भी बड़ा चौकन्ना है ॥

मैने टारमीगन को उड़ते ओर आलबर्ट को बन्दूक़ चलाते हुए देखा फिर वह निगाह से ग़ाइब होगये ओर टांघन पर सवार होकर आगे बढ़ी जब लाकनागार पर पहुंचे कुहासा ओर सर्दी पड़ने लगी एक घंटे में आलबर्ट दूसरे सहल रास्ते से होकर दो टारमीगन लिये हुए आमिले यहां का रास्ता बहुत सुगम था हमलोगों ने ऊपर से दो छोटी छोटी नानियन नाम खाड़ियों को देखा इतने ऊंचे पर से बहुत सुहावनी मालूम दीं आलबर्ट थक गये थे ओर मैं उनके टांघन पर फिर सवार हुई ओ थोड़ी दूर पैदल भी गयी हम लोगों का पहाड़ पर चढ़ना ओर एक बड़े भारी कुहासे का उठना साथही शुरू हुआ ओर जब हम

लोग लाकनागार की चोटी की निकट पहुंचे कुहासा घने बादल सा छा गया और हमारे साम्हने सो गज़ के उधर कुछ सूझ नहीं पड़ता था चोटी के नज़दीक जो ग्रान्ट के मकान पर से बहुत खूब नज़र आती है हम लोग जाकर टहलने लगे और खड़े पत्थरों पर से पहाड़ के एक सुंदरनोक पर पहुंचे और बैठ कर कुछ नाश्ता किया अब दो बजे इस हिसाब से हमलोगों को यहां आने में चार घंटे लगे ॥

अफ़सोस कोई चीज़ भी नज़र न आयी और सर्दी औ नमी से तकलीफ़ हुई दो बजने पर बीस मिनट बाद नीचे उतर चले हवा तेज़ अंधड़सी चलरही थी कुहासा से पानी बरसात सा टपक रहा था और हर चीज़ पर अंधेरा छा गया था फ़रकुहर्सन साहिब का बनरखा बोमैन और मैकडोनल्ड हमारे आगे आगे चलते हुए शैतान से मालूम होते थे कुछ दूर पैदल जाकर जब मैं बिलकुल शल होगई तब खूब कपड़ा ओढ़े टांघन पर सवार हुई हम लोग उसी राह से उतरे जहां से आलबर्ट आये थे यह रास्ता नज़दीक का तो है पर बहुत ही ढाल है टांघन मज़े में चला गया लेकिन कुहासे से जी दिक़ होगया ॥

आलबर्ट थोड़ी देरतक टारमीगन चिड़िया की फ़िकर में रहे लेकिन फिर इस ख़याल को छोड़ दिया घंटे डेढ़ घंटे तक हम लोगों को चलते हुआ था कि कुहासा यकायक जैसे कोई जादू कर दे फट कर साफ़ हो गया और चोटी के क़रीब सो फुट नीचे से बराबर धूप की कड़ी रोश्नी होगयी बहुत नागवार मालूम दिया फिर भी सूरज देखने से ख़ुशी हुई ॥

उतरते हुए निगाह के साम्हने इनवरकाल्ड और बैलकबूई के जंगल की सैर बहुतही भली मालूम होती थी ऊपर से जंगल में कई हिरन नज़र आये जंगल के निकट तक हम लोग घोड़े पर आये अब रास्ता

बहुत बीहड़ मिला फिर उस रास्ते से जो जंगल को गया है पैदल होकर गारभाल्ड के झरनो तक गये ये सब झर्ने बहुत सुंदर हैं चट्टानें जिनके ऊपर से ये गिरते हैं बड़े भारी भारी हैं और एक छोटे पुल से और उस्से ज़रा नीचे से भी बहुत अच्छी सैर दिखायी देती है सड़क पर गाड़ियां तैयार थीं सवार होकर हम लोग छ बजे डेरे पर पहुंचे ॥

कप्तान गार्डन से पहिले मुलाक़ात हुई फिर लार्डजानरसेन और सरजेम्सक्लार्क मिले ये लोग हम लोगों की ख़बर लेने को आये थे और जब हम लोग मकान पर पहुंचे दो लेडियों को दर्वाज़े पर हमारी राह तकते हुए पाया ॥

बैलकबूई में गाड़ीपर सवार होके जाने का हाल।

सित्मबर १८ १८४८ ई० ॥

सवा दस बजे वर्टी के साथ डाक की गाड़ी पर सवार होकर बैलकबूई में फर्कुहर्सन साहेब के बनरखे के मकान से आगे जा पहुंचे और अपने अपने टांघनें पर सवार हुए बर्टी ग्रांट के टांघनें पर सवार हुई एक नौकर उसको राह बतलाता और ग्रांट ख़बरदारी करता हुआ उसके बग़ल में पैदल चला मैकडोनल्ड और कई ख़िदमतगार हमारे साथ हुए और बोमैन और आर्थरफ़र्कुहरसन नाम इनबरकाल्ड का बूढ़ा हिरन का शिकारी आगे आगे चले ये लोग एक सुंदर राह से पेड़ और घासें के बीच होकर हम लोगें को बैलकबूई में ले गये एक मील अथवा कुछ अधिक दूर जाकर हिरन नज़र आये कानें कान शिकार की सलाह हुई और हम लोग पीछे लौटकर फिर बराबर उतरते हुए बनरखे के मकान तक घोड़े पर आये वहां क्रेगडेन की तराई में दून के निकट से लौटकर एक ख़ूबसूरत जंगल में होते पहाड़ के नीचे पहुंच कर घोड़े पर से सब के सब उतर पड़े एक खड़ी जगह पर पत्थर और डालियें के सहारे से चढ़ कर एक छोटे सी उस जगह पर पहुंचे जहां सनोबर की डाली और लंबी लंबी घासें का पांच फुट ऊंचा एक छोटा सा पतवा बना था उस में बर्टी और हम सब लोग बैठे मैकडोनल्ड हम लोगें के निकट घास में छुपकर तक लगाये पड़ा रहा कुछ लोग इधर उधर हंकवे में गये थे और बाक़ी कुछ दूर पर ठहरे थे हम लोग चुप

चाप बेठे हुए थोड़ी देर तक नकशा खींचते रहे मैंने पहाड़ जंगल ओर पेड़ों की तसवीर खींची ओर आलबर्ट ने मेकडोनल्ड की लेटी हुई तसवीर बनायी इस पर एक घंटा गुज़र गया कि इतने में आलबर्ट को कुछ दूर की आवाज़ सी मालूम दी ओर चंद लहज़े में मेकडोनल्ड ने चुप के से कहा कि हिरन नज़र आये आलबर्ट अपनी शिस्त लगावें फिर तो हिरन की आहट मालूम हुई पहले आलबर्ट ने पतवे के अंदर डालियों के बीच से शिस्त लगाई ओर फिर बाहर आकर गोली चलायी हिरन रम दिये लेकिन आलबर्ट को निश्चय हुआ कि एक हिरन घायल गया है ओर वे बनरखें की तरफ़ दौड़े इतने में उन लोगों ने नीचे से पुकार कर कहा कि हिरन हाथ आया ओर आलबर्ट देखने को दौड़े मैं ज़रा ठहर कर बर्टी के साथ मैकडोनल्ड के सहारे से पत्थरों को टेकती हुई नीचे उतरी आलबर्ट भी जल्द आगये ओर सब लोगों ने मिलकर देखा कि एक बड़ा भारी ओर बड़े ठटबट का हिरन गिरा है शिकार सुफल हुआ ओर हर शख़स के दिल को खुशी हुई इसमें मेकडोनल्ड ओर बनरखे तो खिलापड़े मेकडोनल्ड बोलउठा कि यह महारानी के क़दमों की बर्कत है ऐसा ख़याल हाईलैन्ड के लोगों को बहुत हुआ करता है हम लोग टहलते हुए जाकर गाड़ी पर सवार हुए ओर अढाई बजे घर दाख़िल हुए ॥

आल्टनागयूदेशा पहाड़ पर पहिला मुक़ाम ।

अगस्त ३० सन् १८४६ ॥

ख़त लिखने के बाद हम लोग घोड़े पर सवार होकर निकले मिस-डासन और मेकडोनल्ड और ग्रेन्ट और बेटरबेरी और हेमिस कोंटस साथ हुए पार सालके बनिस्बत सड़क दुरुस्त थी अब कहीं पानी का हलान नहीं था और न इसपर से जाना बहुत कठिन था तोभी बीहड़ कहना चाहिये सारी राह हम लोग घोड़े पर गये सिर्फ़ दो मील बाक़ी रहे आलबर्ट पैदल होलिये घोड़े पर चलते हुए आलबर्ट मेकडोनल्ड से पूछ कर और उनकी और जेमीकोंटस् की आपस की बातें सुनकर गेइलिक् ज़बान सीखते जाते थे मेकडोनल्ड यह ज़बान बहुत सही और साफ़ बोलता है आलबर्ट को बहुत सी बातें आगयी हैं पर यह बहुत कठिन ज़बान है क्योंकि लिखी एक प्रकार से जाती है और पढ़ने में उच्चारण औरही तरह होता है ॥

दो बजे हम लोग अपने छोटे देहाती मकान में पहुंचे और इसमें फ़र्क़ पाकर आश्चर्य हुआ यहां दो बंगला हैं एक जो हमारे रहने का है उसमें लकड़ी का काम अधिक हुआ है हम लोगों के खाना खाने का एक छोटासा कमरा बहुत नफ़ीस है और बेठकख़ाना और सोने का कमरा और दर्बार का मकान एक दूसरे से मिले हुए हैं और दूसरा एक छोटा कमरा केरोलाइन् डासन दाई के सोने का और एक उसकी मज़दूरन का और एक असबाब रखने का था और दूसरे बंगले में जो चंद क़दम दूर है खाना पकता था यहां आदमी सब बेठा करते थे और एक

छोटी कोठरी उनके खाना खाने की थी इसके सिवाय और एक कोठरी थी जिसमें असबाब था और उसके ऊपर एक मकान में सब आदमी सोते थे बूढ़े जानगार्डन और उसकी बीबी को छोड़कर हमारे मकान में मारगारिटफ्रेंच नाम हमारी एक दाई और लोलिन नाम आलबर्ट का ख़वास और केरोलाइन् की मज़दूरन और शेकल नाम एक प्यादा और मेकडोनल्ड साथ थे हमारे कमरों की दीवार और छतों पर नकशेदार काग़ज़ मढ़े हुए और बहुत खूब सजे हुए थे यहां पहुंचतेही नाश्ता हुआ तीन बजे मिविक झील के कनारे पैदल टहलते हुए गये बीस मिनट का रास्ता था बाज़े लोग मिविक का अर्थ अंधकार औ दुःख लगाते हैं यहां एक बड़ी नाव पर हम लोग सवार हुए और मेकडोनल्ड और डंकिन और ग्रांट और कोंटस डांड़ खेने लगे और बूढ़े जानगार्डन और दो आदमी दूसरी कश्ती पर जाल लिये थे हम लोग झील के उस सिरे तक गये जहां से मिविक बहकर छूखाड़ी में जामिली है॥

यहां जगत की शोभा अति चमत्कार जंगली तौर की थी हाईलैन्ड देश के कठिन और दुर्गम स्थान खंदकों में पेड़ लगे हुए यहां नज़र आये कश्ती के अंदर औ बाहर और कनारे पर बहुत सी चीजें दिखायी दीं तीन बाज़ नज़र आये और ७० ट्रौट मछलियों का शिकार हुआ अगर कोई कारीगर साथ होता तो तसवीर यहां की खींचने लाइक़ थी कश्ती औ जाल और लोग घुटने तक कुर्ती पहिने हुए पानी में हलते और कनारे पर सुंदर छवि से मालूम होते थे फिरते वक्त आलबर्ट ने डांड़ और मेकडोनल्ड ने पतवार लिया रोश्नी इस समय की सुंदर थी॥

सवा सात बजे घर पहुंचे आठ बजे खाना खाया लोलिनमेकडोनल्ड और शेकल हाज़िर थे खाने के बाद केरोलाइन डासन के साथ हम

लोगों ने ताश खेला फिर पाईबाग़ में टहले एकान्त और सुनसान में सिर्फ़ हवा से सनोबर के पेड़ों के हिलने की आवाज़ होते हुए क्याही मन को आनंद होता था ॥

ऐबरगेल्डाई जंगलों का हंकवा।

सितम्बर ३ सन् १८४६ ॥

सवा बारह बजे हम लोग गाड़ी पर सवार होकर उसी सड़क की राह चले जहां से एक रोज़ लार्डपोर्टमैन के साथ गये थे आगे एक तंग रास्ता मिला मैं उतर कर घोड़े पर सवार हुई आलबर्ट और दूसरे लोग पैदल हुए जियान्नाकाईल मुकाम में आये आलबर्ट को यहां की शोभा देखकर बड़ी खुशी हुई रोशनी अच्छी थी पर गर्मी और धूप की तेज़ी बहुत थी ॥

दाहनी तरफ़ फिरे और दलदलों में पहुंच कर मैं पैदल होली और हम लोग एक बड़ी चट्टान की ओट में छिपकर बैठे सिवाय मेकडोनल्ड के कोई दूसरा साथ न था वह बंदूकों को तयार कर देता और ज़मीन पर लेटे हुए जानवरों की आहट बताता था और सब साहिब नीचे सड़क पर रहे जंगल हांका गया लेकिन कोई जानवर न निकला हम लोग पैदलही आगे बढ़ कर एक ख़ूबसूरत घने जंगल से भरी हुई दून के बीच आये और इस दून के एक तरफ़ टेकटाक कर चढ़ना चाहा पर हार कर फिर बैठ गये और फिर दून की दूसरी ओर जाकर पत्थरों के सहारे ऊपर चढ़े और फेर छुप कर बैठे अब के हकवे में आलबर्ट ने एक हिरन मारा और अगर हिरन का गोल एक बूढ़ी औरत के यकायक आजाने से बहक न जाता तो और भी शिकार आलबर्ट के हाथ आता यह डायन सी औरत दो बड़े बड़े लठ टेकती जंगलों में से निकल आयी और सारा खेल बिगाड़ दिया वह चली आती थी कि आलबर्ट ने हिरन

को मारा गोली की आवाज़ से वह एक दफे चौंक पड़ी और नीचे जाकर टून में अपने सिर को रुमाल से ढापे ऐसी चुपचाप बैठ गयी कि काटो तो खून न निकले इतने में दो आदमी को हुक्म हुआ कि जाकर गिरे हुए हिरन को उठा लावें इन लोगों की निगाह पहले उस बुढ़िया पर पड़ी देखतेही मारे डर के रुक गये और उनकी फेफड़ी बंध गयी यह भी एक तमाशा हो गया इसके बाद में थोड़ी दूर घोड़े पर सवार होके गयी और फिर एक जंगल के साम्हने झाड़ी के आड़ मे एक कलवार ख़ाने के नज़दीक हम लोग बैठे हकवा हुआ लेकिन इसमे कोई भी जानवर न निकला आलबर्ट ने हकवे के पहलेही एक काली मुर्ग़ी का बच्चा मारा सवा तीन बजे घर फिर आये ॥

कयू नाक आदि की सैर ।

सितम्बर ११, १८४६ ई० ॥

आज की सुबह बहुत साफ़ थी लड़कों के जर्मनी ज़बान में कुछ कवित पढ़ते हुए सुना और फिर दस बजे लेडी डोरो * के साथ गाड़ी पर सवार होकर इंकबोबार्ड के आगे निकल गये बर्खाल के निकट घोड़े बदले गये लिनमुई के नज़दीक ज़रा ठहर गये यहां हमारे टांघन मौजूद थे सवार हुए रास्ते में एक नदी को हलते हुए एक देहाती मकान के पास आन पहुंचे एक दमभर ठहर कर फिर फ़ौरन घोड़े पर सवार हुए मैकडोनल्ड कि यह आदमी होशयार और काम का है मेरे घोड़े की बाग पकड़े और जेमीकोंटस् लेडी डोरो के घोड़े को थाम्हे हुए जाते थे और ग्रान्ट औ चार्लीकोंट्स् और जान ब्रोन भी साथ थे बूढ़ा जान गार्डन रास्ते का पता बतलाता जाता था साढ़े बारह बजने पर हम लोगों ने पहाड़ पर चढ़ना शुरू किया मकान के ठीक पीछे से चढ़ते हुए बड़े ऊंचे तक गये यहां की सैर बहुत ख़ूब थी सीधे नीचे को झील नज़र आता था और मूई का दून दूर तक दिखाई देता था ऊपर की तरफ़ रास्ता ख़राब मिलता गया और जब हम लोग ग्लासाल्ट नदी के पास आये जो झील में जाकर मिली है और ख़ूब बढ़ी हुई थी रास्ता और भी ख़राब मिला पानी इतना बरस गया था कि छोटी और बड़ी नदियां ख़ूब लबरेज़ और ज़मीन नर्म होगई थी स्ट्रोन की पहाड़ी चढ़े और जब चोटी पर आये हवा तूफ़ान सी चल रही थी आलबर्ट पैदल

* अब डचेज़ वेलिंगटन हुई हैं ॥

थे और उन्होंने एक ख़रगोश और एक तीतर मारा और बहुतसा शिकार जमा कर लिया एक खाल में जो ठ्यू की खाड़ी के ऊपर है हम लोग पैदल गये और साढ़े तीन बजे वहां बैठ कर नाश्ता किया खाड़ी की लम्बान एक मील है और बड़े जंगली तौर की है पहाड़ खाड़ी से ठीक सीधे ऊंचे को चले गये हैं ॥

आध घंटे के बाद घर की तरफ़ चले और बराबर मूई के कनारे उतरे यह नदी चट्टान और पत्थरों के ऊपर से बहुत सुंदर बहती हुई टून में गिरी है अब केवल ग्लासाल्ट नदी को हलते टटोलते पार होना था रास्ता भी बीहड़ था पर जैसा हम लोग पीछे छोड़ आये थे वैसा नरम और ख़राब न था लाकनागार नाम घोड़े पर मैं सवार हुई लेकिन फिर इस ख़याल से कि घोड़ा दल दल से भड़का है करनेल गार्डन के घोड़े पर सवार हुई लेकिन करनेल के घोड़े को शेरदमी की आदत थी और नरम ज़मीन पर बड़े मुशकिल से चलता था यह बुरा मालूम दिया ॥

नाव तक आने में केवल आधघंटा लगा शाम का वक़्त साफ़ था हम लोग झील की कश्ती पर सवार होकर आते थे कि यकायक हवा ख़ूब तेज़ चली और लोगों को डांड़ खेना कठिन हो गया मैं इतनी डर गयी कि ज़मीन पर उतरना चाहा और लेडी डोरो ने भी यही कहा गरज़ कि हम लोग उतरे और झील के बग़ल पगडंडी की राह से पौन घंटे में घर पहुंचे रास्ता बहुत तंग और ऊंचा नीचा था कहीं कहीं झील में से पहाड़ निकले हुए थे और ऊपर को सात सौ फुट की उंचाई और सौ फुट नीचे की तरफ मालूम होता था सात बजने में बीस मिनट बाक़ी रहे किसी तरह कुशल से मकान पर पहुंचे ईश्वर का धन्यवाद किया कि सब कठिनाई और आफ़तों को झेल निकले और अब उन साहस के कामों को याद करने से बड़ी ख़ुशी होती है ॥

आठ बजने में कुछ बाक़ी था लेडी डोरो के साथ हम लोगों ने खाना खाया और उनसे दो बाज़ी ताश खेले ॥

बूढ़ाजानगार्डन रास्ते की ख़राबी का हाल बयान करता हुआ आलबर्ट का जी इस तरह पर बहला रहा था कि "निहायत उमदगी सड़क की यह थी कि बाज़ जगह खड़ी औ बाज जगह अड़बड़" ग़रज़ कि बहुत ख़राब ॥

बेन्नाभोर्ड पहाड़ पर चढ़ने का हाल ।

सितम्बर ६, १८५० ॥

साढ़े दस बजे लेडीडोरा और आर्नेस्टलिनिङ्गन * के साथ गाड़ी की सवारी पर पौन मील जाकर इनबरकाल्ड में टांघन और आर्थरफ़र्कुहरसन और गुइन और औरों को हाज़िर पाया गाडी से उतर कर थोड़ी दूर पैदल चले फिर घोड़े पर सवार होकर बेन्नाभोर्ड की तरफ़ चढ़ने लगे मैकडोनल्ड मेरे छोटा प्यारे लाकनागार टांघन को थांमे और जेमस कोंट्स् लेडीडोरा का टांघन पकड़े हुए चले अढ़ाई मील तक बहुत ढाल और पहाड़ी ज़मीन है रास्ता बहुत उमदा बनाया हुआ है यहां से सुन्दर सैर नज़र आती है पहले हम लोग घोड़े की सवारी पर एक दून तक गये यहां उस मकान का एक पत्थर अबतक क़ाइम है जिस में फ़रकुहरसन के ख़ानदान का आदिपुरुष फ़िन्ला पैदा हुआ था और इसी दून में ग्लासाल्ट नदी भी बहती है इससे आगे बढ़ कर एक बहुत तंग पथरीला और सीधा खड़ा दून मिला इसको स्लगन कहते हैं स्लगन शब्द के माने निगलना है फिर थोड़ी दूर पर बड़ा मैदान मिला जिसकी बाईं ओर बेन्नाभोर्ड का पहाड़ है इसके बाद मारा का जंगल मिला उसे ड्यूकलीड्स् ने लार्डफ़ाइफ़ से ठीका लिया है बेन्नाभोर्ड की चोटी पर और इनबरकाल्ड से आधी राह स्लगनकाटेज नाम एक बहुत ख़ूबसूरत छोटासा शिकार का मकान बना है इससे नीचे उतर कर कोइक् की छिछिली नदी को हलना पड़ा असल् रास्ते का

* हम लोगों का भतीजा ॥

अख़ीर हिस्सा टूथक्रेंग नाम पहाड़ के शृंग पर से बड़े चढ़ाव का है मेकडोनल्ड ने हम लोगों के समझने के लिये सब जगहों के नामों का उल्था कर दिया जहां पर यह रास्ता ख़तम हुआ पत्थर ही पत्थर नज़र आया आलबर्ट बहुत दूर तक पैदल चले थे और अभी पहाड़ की चोटी से बहुत दूर न थे कि रास्ता और ज़ियादा अड़बड़ मिला हम सब लेडी लोगं घोड़े पर से उतर पड़े आते आते एक प्रकार के पीले पत्थरों की कई खानें मिलीं हम लोगों ने चुनना शुरू किया और कई सुडोल और सुंदर पा गये चोटी पर ज़मीन बराबर है कहीं तो बिलकुल पत्थर बिछे हुए और कहीं नमी औ काई थी और ज़र्द पत्थर चंद फुट नीचे ही से ख़तम हो गया एक चट्टान पर बैठ कर हम लोगों ने नाश्ता किया हवा बहुत ठंडी थी लेकिन यहां से आगेही बड़ी गर्म हवा मिली चोटीपर से बड़ी दूर दूर की सैर बड़े शान से नज़र आती थी बेन्नाभोर्ड की उंचाई ३६ ४० फुट है हम लोगों ने यहां से बेनीघ्नो का पहाड़ बहुत साफ़ देख पाया केरन गोरम और बेनमूईकटूई के पर्वत बहुत निकट पर दूसरी तरफ़ थे मोरे की खाढ़ी दिखायी देती थी और दूर बीन के द्वारा समुद्र के जहाज़ भी नज़र आसक्ते थे फिर दूसरी तरफ़ लाकनागार का पहाड़ जो यहां के सब पहाडों मे शिरोमणि है सिर उठाये था ॥

बाद नाश्ते के नीचे की राहली और बराबर खड़े उतार में जब तक सीधा रास्ता न मिला आये बहुत उतरे मेरा टांघन जल्दी मचा रहा था उसके लात चलने में देर न थी स्लगन की पहाड़ी पर कई छोटे २ और सुंदर पत्थर आलबर्ट के हाथ लगे उन्होंने बाक़ी राह को पैदल काटा और गाड़ी पर पहुंचने में क़रीब पाव मील बाक़ी रहे हम लेडियों ने भी अपने घोड़े छोड़ दिये थे इनबरकाल्ड से बेन्नाभोर्ड की चोटी तक

कुल ६ मील है और इस हिसाब से हम लोगों को घोड़े पर और पैदल घूमते फिरते हुए १८ मील पड़ गये आज के सुखदाई सफ़र और सैर में गाड़ी पर पहुंचते हुए छ बज गये और साढ़े सात के कुछ बाद मकान पर दाख़िल हुए ॥

कसरत के तमाशे में लोगों की भीड़।

सिप्तम्बर १२, १८५० ॥

आज हम लोगों ने जल्दी से नाश्ता करलिया और अढ़ाई बजे लड़के बाले और लोगों समेत कसरत् का तमाशा देखने को गये पार साल भी यह तमाशा हुआ था हमारे साथियों में लेडीडोरो नहीं जा सकीं डफ़ और फर्कुहरसन् और लीड्स्वाले और उनके साथ के लोग और कप्तान फार्बस * और उनके चालीस आदमी जो स्ट्रेथ्डोन से आये हुए थे इस तमाशे में मौजूद थे और हमारे भी कुछ लोग पहले से आकर हाज़िर थे मामूली कसरतें पत्थर के नाल उठाने की और मुगरा फेंकने और क्रेगक्युनिक पहाड़ पर बहुत जल्द अर्थात् साढ़े छ मिनट में दौड़ जाने की हुई बड़ी ख़ुशी हुई कि हमारे ख़वास डंकन † ने बाज़ी जीती यह आदमी बहुत तेज़ और सुंदर जवान है और दौड़ में इसके आगे कोई न जासका यह बड़ी भयानक कसरत थी इसके बाद फ़र्कुहरसन साहिब उसको मेरे पास ले आये अठारह उन्नीस आदमी सफ़ेद जामा और ऊपर से घुटनों तक रंग बरंग की कुर्तियां पहने एक बारगी दौड़ते हुए और जंगलों के पार होकर पहाड़ पर चढ़ते हुए बहुत ही सुंदर

---

* अब केसलन्यू के सर चार्लस फार्बस साहिब ॥

† यह शख़्स सन् १८५१ से रखवाला है निहायत होशयार और ख़ूब शख़्स है और शाहज़ादा उसे बहुत चाहता है ऐसे थोड़े अरसे में बड़े ढालुए पहाड़ पर दौड़ने से उस के मुंह से लोहू गिरा और तब से उसकी ताकत जाती रही इस सबब से पहाड़ पर दौड़ना मना होगया है वह क्रेगवन के पीछे रोबरेक में एक झोपड़ी में जिसे शाहज़ादे ने उस के लिये बनवाया है रहता है ॥

मालूम होते थे इन सब लोगों ने कसरत के लिये अपने और सब कपड़ों को उतार रखा था ॥

फिर हम लोग क़िले के अंदर गये और कई तरह के नाच देखे फ़र्कुहरसन साहिब के लड़के और और लड़के मिलकर सब से उमदा नाच रील का नाचे और उनके चौथे बेटे जानएथोल फ़र्कुहरसन घिली केलम का नाच बड़ी सुंदरता से नाचा दो बरस की एक छोटी लड़की लेकर यहां पर बारह लड़के थे ॥

अम्मा और चार्ल्स और आर्नेस्ट यहां ब्रीमर में आये अम्मा को यह सब देखकर बड़ी ख़ुशी हुई यही पहिली बार उनके स्काटलैन्ड में आने की है नाच होजाने के बाद हम लोग रवाना हुए ॥

सैमन मछली का शिकार ।

सिप्तम्बर १३, १८५० ॥

चार्ल्स और दूसरे सब लड़के और विकी को साथ लेकर हम लोग पुल के ऊपर नदी के कनारे पैदल टहलते हुए जा पहुंचे यहां हमारे असामी सब सैमन पकड़ने को भाला और बर्छी लिये मौजूद थे वे सब के सब पानी में हल गये और आगे पीछे इधर उधर और पत्थरों के नीचे छेड़ छाड़ करने लगे कि जिस्मे मछलियां उस तरफ़ को चली जायं जहां लोग जाल लगाये खड़े थे एक बारगी सौ आदमियों के क़रीब बाज़े कुर्ती पहने हुए और डंडा हाथ में लिये नदी में हलते हुए बहुतही भले मालूम होते थे कोई मछली पहली बार न निकली इसलिये हम लोग और आगे बढ़कर तीन चार जगह गये फिर भी कोई सैमन हाथ न लगी एक दो निकलीं भी तो निकल भागीं आलबर्ट एक पत्थर पर खड़े थे और कर्नेल गार्डन और लार्डजेम्स मेरे बराबर पानी में हलते रहे और डंकेन साहिब जिन्होने कलभी बड़ी मिहनत की थी और लोगों के दर्मियान इधर उधर फिरे थे आज पानी में बराबर रहे घाट के निकट फेर तदबीर हुई और यहां हम लोग बहुत डरे पानी में एक जगह बड़ा गहरा चश्मा था दो आदमी उसमें बेवक़ूफ़ी से जा रहे एक को तैरना भी नहीं आता था दोनों यकायक डूबते नज़र आये सब लोग उनके चारों तरफ़ थे चिल्लाहट मचगई सब लोग आलबर्ट समेत उस जगह को दौड़े मैंने मारे डरके लार्डकैरोलाइन का बाज़ू पकड़ लिया आख़िर को डाक्टर

राबर्टसन् * पानी में तैर गये और उनको खींच लाये ईश्वर ने कुशल किया नहीं तो बड़े बिपत का साम्हना था यहां एक सैमन हाथ लगी इसके बाद हम लोग टहलते हुए पानी के हलान तक गये इस जगह का आना सुफल हुआ सात सैमन पकड़ी गयीं बाज़ी जाल में फसीं और बाज़ी भाले की नोक में आयीं आलबर्ट भी पानी में बराबर खड़े रहे पर ख़ाली हाथ फ़िरे इस सुंदर स्थान का तमाशा देखने लाइक़ था अफ़सोस कि लैन्डसियर चित्रकार यहां पर न हुआ धूप बड़ी तेज़ थी तीन बजे तक हम लोग यहीं थे बाद इसके जाकर कुछ नाश्ता किया डचेज़ गार्डन मुलाक़ात को आईं और वह बैठी ही थीं कि कप्तान फ़ार्बस इजाज़त लेकर अपने सिपाहियों समेत साम्हने आये उनके आगे बांसरीवाले बजाते हुए थे उन लोगों ने नौ मर्तबा ख़ुशी का जयकार अपनी २ टोपियों को उछालते हुए किया फिर वे रवाना हुए और हम लोग दूर तक उनकी मुबारकबादी और बाजे की आवाज़ ख़ुशी से सुनते रहे ॥

पीछे से हम लोगों ने सुना कि हमारे आदमियों ने कप्तान फार्बस के आदमियों को पीठ पर लादकर नदी पार उतार दिया है वह लोग मछली का शिकार होते हुये देखकर उस पार पानी के कनारे पर आये हमारे आदमियों से साहिबसलामत हुई चाहा कि इस पार आके तमाशा देखें हमारे आदमी एक दम में पार होकर उनको हाथों हाथ उठा लाये मेकडोनल्ड सब के आगे कप्तान फ़ार्बस को पीठपर ले आया और लोग उसके पीछे चले आये यह काम बड़ी इनसानियत और जवांमर्दी का हुआ ॥

* यह साहिब शुरू से हमारी उस मिलकियत का मुन्तज़िम है जो बालमोरल में है लोग उसकी बड़ी कदर करते हैं वह निहायत खूब शख़स है । हमारी और शाहज़ादे की मरज़ी बमूजिब वह सब बजा लाया ॥

मुइक की खाड़ी ।

सिप्रम्बर १६, १८५० ॥

.तीन बजे हम लोग देहात के मकान में आये और साढ़े चार बजे खाड़ी के कनारे टहलते हुए गये और कश्ती पर सवार हुए डंकन और जेम्रान * और पीकौट्स † और लेस् डांड खेने लगे यह लोग उस पार को कश्ती ले चले हक़ीक़तमें यह बड़ी कैफ़ियत की जगह थी नाले बहुत गहरे बह कर ज़मीन को खोदते हुए झील में आ मिले हैं और बर्क और आल्डर के बड़े बड़े पेड़ पानी के ऐन कनारे पर लगे हुए मानो टून से होगये हैं हम लोग एक बलुई ज़मीन पर एक सुंदर

* वही शख़्स जो १८५८ में हैलेंड में हर एक जगह हमारी ख़िदमत में हाजिर था और इसी शख़्स ने सन् १८४९ में हमारी नौकरी शुरू की । आलबर्ट और हमने गाड़ी के साथ चलने को उसे पसंद किया सन् १८५१ में वह हमारे यहां कियाम से रहने लगा और उसी साल में हमारे टांघन को डुरिया के लेचलने लगा और अपनी चाल चलन और होशयारी से दरजा बदरजा बढ़ता गया वह निहायत ईमानदार और खबरदार शख़्स है जब से कि हमारी तनदुरुस्ती में खलल पड़ा है ये सिफतें उस नौकर में जो हमारे नज़दीक रहता है निहायत जरूर हैं यह शख़्स सन् १८६५ के दिसम्बर में औवल दरजे के नौकरों में हुआ और हमारी खास नौकरी में रहने लगा उस में वह आज़ादगी और सिफतें हैं जो खास कर हैलेंड के लोगों में पायी जाती हैं वह निहायत सीधा सादा रहम दिल और बेपरवा शख़्स है सदा उपकार करने को तयार रहता है और इमतियाज में इस के बराबर कोई नहीं इस समय इस का चालीसवां बरस है। इस का बाप एक किसान था जो बालमोरल के सामने बरा में रहता था अपने नौ भाइयों में यह दूसरा है उस के तीन भाई मर गये दो आस्ट्रेलिया और निउजीलेंड में हैं दो बालमोरेल के नजदीक रहते हैं और सब से छोटा जिसका नाम आर्चिबालड है हमारे बेटे लिगोचोलड का खिदमतगार है यह शख़्स भी निहायत अच्छा और मातबर है ॥

† कुछ दिन से इन्बरकाल्ड फर्कूहरसन की शहनाई अजाता है ॥

टून में उतरे इसमें से ब्राकबर्न नदी बहती है यहां बड़ी खुश्की थी लेकिन आल्डर और पहाड़ी ऐश के पेड़ फल फूल से हरे भरे होने से यह स्थान चित्र समान है। गया था भील के एक सिरे पर अपनी साबिक़ जगह में उतरे और घोड़ों पर सवार होकर फिर चले एक नई और उमदा सड़क भील के कनारे होकर बनी है ॥

चांद निकल आया भील पर रोशनी छिली पेड़ों से हरे भरे पहाड़ पानी कनारे खड़े क्याही सुंदर मालूम होते थे फिर कौट्स् कश्ती के अंदर से बांसरी बजाने लगा कवियों की कविताई को मात किया शोभा का समा कर दिखलाया और जंगलों की कैफ़ियत का मज़ा चखाया लोग भी ज़ोर से कश्ती खेते थे और कौट्स् के टील राग पर बड़ी आवाज़ से शाबाशी देते जाते थे इसपर मुझ को नीचे लिखा हुआ सर वाल्टरस्काट के "दीलेडी आफ़ दीलेक" नाम किताब का मज़मून याद आया ॥

"जों जों वे आगे बढ़ते गये तों तों जंगी बाजे की आवाज भी बढ़ती गयी दूर से पानी पर आने के कारण पहले धीमी सुनाई पड़ी खाड़ी और अंतरीप में बहुत देर तक रह कर आने से उसकी कठोरता जाती रही" ॥

साढ़े सात बजे बाद हम लोग घर पहुंचे रात सुनसान और सुखदाई थी और हम लोगों के छोटे से डेरे पर रोशनी की झलक लौंक रही थी ॥

कोरींया मुल्जी में मशाल की रोशनी पर बाल का नाच ।

सितम्बर १०, १८५२ ॥

सुबही की पोशाक पहने हुए आज सवा छ बजे शाम का खाना खाया यह पोशाक हाज़िरी के समय की है और इस वक़ इसके पहनने का मामूल नहीं है सात बजे कोरींयामुल्जी को चले खुले मैदान में मशाल की रोशनी से बाल का नाच देखना था मैंने सुफ़ेद बानेटटोपी पहन ली और भूरे रंग का डोरिये दार रेशमी बुरक़ा रखा और हाईलेन्ड के दस्तूर के मुवाफ़िक़ कंधेपर से चादर ओढ़ ली और आंलबर्ट ने अपनी हाईलेन्ड की पोशाक पहनी वे हररोज़ शाम को पहना करते हैं हम लोग डाकगाड़ी पर सवार हुए और दो लेडियां और लार्डडर्बी और कर्नेल गार्डन दूसरी गाड़ी पर पीछे होलिये ॥

आज की शाम का वक़ स्थिर तो था पर ख़ौफ़ तूफ़ान का था लेकिन खुशी की बात है कि साफ़ रहा साढ़े आठ बजे हम लोग पहुंचे बिलकुल अंधेरा होगया था एर्गनिसडफ़ साहिब और उनकी बीबी* ने दरवाज़े पर इस्तिक़बाल किया और फेर मकान के अंदर से होकर खुले मैदान में ले गए जहां बाल की तैयारी थी और यह सब तैयारियां एक पर्दे की आड़ में हुई थीं जब पर्दा उठा अपूर्व सज मालूम दी सब जमाअत के लोग यहीं पर थे सो फुट लम्बी और साठ फुट चोड़ी ज़मीन पर तख़्तबंदी हुई थी और हाईलेन्डर लोग मशाल हाथ में लिये हुए

* अब यह दोनों अर्ल और कौन्टेस् फ़ाइफ़ होगये हैं ॥

उसके चारों तरफ़ खूब घेरे खड़े थे मशालों का अंदाज़ यह था कि चोंगियों में खुंसी हुई हमेशा रोगन से तर की जाती थी सात बांसरी बजानेवाले एक साथ बजाते थे और में के * सब को सुर बतलाता था हम लोगों का इस्तिक़बाल मामूली सलामी के साथ हुआ और तीन दफ़े लोगों ने इस आवाज़ से जयकार दिया "निस्! निस्! निस्!" इसका उच्चारण यह है "नीश्! नीश्! नीश्!" और हाईलैन्ड जबान में "हीप्! हीप्! हीप्!" है तीन मर्तबे के बाद खुशी की आवाज़ें फिर हुईं उसके पीछे एक बड़े धूमधाम का रील नाच शुरु हुआ हाईलैन्डरों को छोड़ कर लोग क़रीब आठ के थे और हाईलैन्डर भी उतने ही थे हाईलैन्डर बल्कि स्काटलैन्ड निवासी कुल रईस लोग घुटनो तक कुर्ती पहने हुए और लेडियां अपनी अपनी शाम की पोशाक पहने थीं जमाअत और हाईलैन्डर लोग बारीबारी से नाचते थे दो तीन तलवार पर नाचनेवाले भी यहां मौजूद थे सबके आगे ऊंची जगह पर एक चंदवे के नीचे हम लोग थे और कुल आरास्तगी तारीफ़ के क़ाबिल और देखने लाइक़ हुई थी आलबर्ट को बड़ी खुशी हुई यह भी हम को लिखदेना चाहिये कि आठ हाईलैन्डरों ने मिलकर अपने अपने हाथ में मशाल लिये रील नाच नाचा ॥

साढ़े नौ बजे हम लोग उठे और सात बजने के बाद घर दाख़िल हुए मेरे समझ में १४ मील का रास्ता था

---

* सन् १८४३ ई० से यह हमारे यहां बांसरीवालों में नौकर है और स्काटलैन्ड भर में इसको अपने फ़न का यकता ही समझना चाहिये मार्क्विस्ब्रेडल्बेनी ने इसकी सिफ़ारिश की थी अफ़सोस् कि सन् १८५४ में इसके दिमाग़ में खलल हुआ और १८५५ में मरगया इसका एक भाई ड्युक ससेक्स के पास बांसरीवालों में है ॥

ड्यूकवेलिंगटन के मरने की ख़बर ।

आल्टना ग्यूदेशा बृहस्पति सिप्रम्बर १६ सन् १८५२ ॥

आज सात बजे सुबह को एक चीठी कर्नेल फ़िप्स की आयी उस में एक तार की ख़बर भी बंद थी मज़मून यह था कि परसों के दिन ड्यूकवेलिंगटन् का परलोक हुआ है पढ़तेही हमारे रोंघटे खड़े होगये पर इस ख़बर का कुछ भी विश्वास न माना ख़ुदा करे हमाराही ख़याल सही हो और आज तीसरे पहर का समय खेद में न कटे ॥

मिस्सोर * के साथ हाज़िरी खायी और लिखने पढ़ने के काम से फ़राग़त हो कर पौने ग्यारह बजे मिस्सेमोर और अपने हाईलेन्डरों के साथ रवाना हुए आज सर्दी कम थी और अगर ज़रा ज़रा झीस फूस न होता तो दिन बहुत उम्दा कहलाता खाड़ी के कनारे एक अच्छी सड़क पर से हम लोग पैदल चले यह सड़क चोड़ी बनगयी है कि गाड़ी भी जा सकती थी आल्टनाडीर्ग नाम नदी और झर्नें पर जो बहुत सुंदर और तेज़ बहते हैं पहुंचे इस से ऊपर जाकर एक रस्ता फेर फार का बना है वहां हम लोग घोड़े पर सवार हुए यह रस्ता बाज़ जगह ऊंचा है चढ़ के जाना पड़ता है नदी सुर्ख़ पत्थरों पर गिरती है और खालों में बर्फ़ और पहाड़ी ऐश और आल्डर के पेड़ जमे हैं हम लोग घोड़े से उतर कर खाड़ी के ऊपर पहुंचे पहाड़ियों की चोटी पर स्ट्रोन और "ग्लास आफ़ मोन इल्पाई" तक पैदल चले गये यहां से लार्ड पे...यूर के सब गांव और कीन् और आगिल्बाई आदि के पहाड़ नज़र आते हैं एक

* जो अब आनरेबललेडीबिडडल्फ कहलाती है ।

जगह पर जहां से ग्लासाल्ट नदी और खाड़ी का सिरा देख पड़ता है हम लोगों ने ठहर कर ज़रा दम लेलिया यहां पर यकायक मेरी घड़ी गुम होगई जो प्यारे बूढ़े ड्यूक ने मुझे दी थी साथ आई थी या नहीं इस की भी सुध न रही इसलिये मेकेन्ज़ी * को भेजा कि जाकर तलाश करे और हम लोग आगे बढ़ कर ग्लासाल्ट के ऊपरी भाग तक गये और उस के पार हुए तीन बरस का अर्सा गुज़रा कि हम लोग ड्यूखाड़ी के सफ़र में पहाड़ियों की चोटी पर से गये थे उस समय में ज़मीन बहुत गीली और रास्ते इतने ख़राब थे कि टांघन बड़े मुशकिल से चलते थे ॥

ग्लासाल्ट से नीचे उतरने लगे दूसरी एक सड़क बहुत उम्दा तौर से बनी है इस पर से सैर और शानदार जंगल नज़र आता है यहां के झर्ने ब्रेयर के ब्रूअर झर्ने के समान १५० फ़ुट ऊंचे हैं और खाड़ी से कुल बलन्दी ५०० फ़ुट की है टांघन और हाईलैन्डर लोग रास्ते के फेर फार पर मुड़ते हुए बहुत ही भले मालूम होते थे नीचे उतर कर हम लोग ग्लासाल्ट के एक छोटे से मकान में आये जो हाल में बना है यहां हमारे रहने का एक कमरा सुंदर सैरगाह के दर्मियान है खाना जो साथ आया था ठंडा हो गया था उसी को खाया फिर टांघनों पर सवार हो कर एक सुंदर रास्ते से जो नदी के ऊपर होके गया है ड्यूखाड़ी की तरफ़ चले यह नदी बड़े बड़े चट्टानों पर से बहती है यहां की सैर बहुत मनोहर है इस के बाद मर्नेस्पोट का झर्ना मिला फिर पौन घंटे में ड्यूलाखपुर दाख़िल हुए यह खाड़ी सुंदर तसवीरसी और जंगली तौर की है ॥

---

* हमारे रखवालों में से एक अच्छा आदमी और आलटनागिन घेच में रहता है ॥

हम सब लोग घोड़े से उतर पड़े और मैं तसवीर खींचने को बैठी इतने में मैकेन्ज़ी ने आकर ख़बर दी कि घड़ी मकान पर ज्यों की त्यों रखी है और उस ने कई ख़त भी लाकर दिया जिन में एक लार्ड डर्बी का भेजा हुआ था मैंने उसे खोला अफ़सोस! वह अशुभ समाचार अब निश्चित हुआ इंगलिस्तान क्या बल्कि सारे ब्रिटेन का सितारा बुझ गया बल प्रताप इसी के साथ गया इस का सा इक़बालमंद आज तक पैदा नहीं हुआ था क्या अशुभ दिन है जिस ने इस मुल्क से उन को उठा लिया हमारे कौम भरको यह नुक़सान गढ़ाया क्या फिर कभी इस का पल्टा होना है?

लार्डडर्बी के ख़त में लार्डचार्ल्सवेलेस्ली ने लिखा था कि मंगल के दिन तीन बजे हमारे प्यारे श्रेष्ठ पिता का परलोक हुआ सिर्फ़ दो ही चार घंटे बीमार थे और मौत की तकलीफ़ ज़रा भी न हुई ईश्वर ने जो चाहा सो हुआ दिन पूरा हुआ और तिरासिवें बरस में ड्यूक ने कूच किया उन के लिये तो ख़ूब हुआ कि अपने होश हवास से दुरुस्त और ज़राभर की बीमारी में चले गये पर हम लोगों के नुक़सान का हद न रहा कौन ऐसा है जो इस मुल्क का ज़िकर करे और साथ ही हमारे अमरशूर ड्यूक का नाम न लेवे ॥

इस दुनिया में रैयत को जो इज़्ज़त् मिलसकती है उन्ही को सब हासिल थी रैयतों में सब से भारी मर्तबा उन्ही को था फ़िर्कों से न्यारे थे मगर सब कोई उन का मुंह तकते क़ौम भर उन को मानती और बादशाह के दोस्त थे फ़िर इतने बड़प्पन पर भी कैसी सादी चाल से रहते थे उन का हर काम कैसी सफ़ाई साहस और बिना छल का होता था ऐसा जान्‌निसार ख़ैरख़ाह ईमानदार और सलतनत् का रुकन् न

दूसरा मिला ओर न मिलेगा हमारे बहुत से लाइक़ ओर जानकार दोस्त गुज़र गये हैं ओर उन का भी हम लोगों को बड़ा रंज है पर इन का सा न मिलेगा हमारी बेहतरी की सलाह ओ मदद् में ऐसे हाज़िर ओर कोई भी मुशकिल आनपड़े उस के हल करने में ऐसे मुस्तैद कि अपना जवाब नहीं रखते थे आलबर्ट के साथ अत्यंत स्नेह ओर विश्वास था ओर उन की पिछली बातों की जानकारी ओर इल्म भी इतना था कि मानो हाल ओर गुज़रे सदी के दर्मियान दो ज़न्जीरों के जोड़ने की कड़ी थे मुल्क भर में कोई आंख सूखी न होगी ॥

हम लोग जल्दी से मुइक् खाड़ी के सिरे तक पैदल ही चले गये ओर फिर घोड़े पर सवार हो कर ख़ूब पानी बरसते हुए आल्टना ग्यूदेशा में आए सारी कैफ़ियत मिट्टी हुई ओर सब के चेहरे पर एक मातम छा गया ॥

हम लोगों ने लार्डडर्बी ओर लार्डचार्ल्सवेल्सली को ख़त लिखा ॥

क्रेगगौयन आदि पहाड़ों पर यादगार के लिये केरन् अर्थात् पत्थरों की ढूहो बनने की हाल ।

सोमवार अक्तूबर ११ सन् १८५२ ॥

आज का दिन बड़ा शुभ आनंद और याद रखने के योग्य हुआ और आज ही से इस दफ़े का सफ़र ख़तम है सुबह का समय सुंदर साफ़ था ॥

आलबर्ट को वालपोल साहिब से भेंट करना था इसलिये हम लोग ग्यारह बजने से पेश्तर क्रेगगोयन की चोटी पर केरन की तैयारी देखने के लिये नहीं जासके थे यह केरन हम लोगों के इस प्यारी जगह के दख़ल पाने की यादगार के लिये बनता था और पुराना केरन गिरा दिया गया लड़केवाले और लेडी औ चंद नौकरों के साथ लिये हम लोग चले मेकडोनल्ड और ग्रान्ट पीछे से आये मास हैासमे जो आधी राह पर है मेके मिला और आगे आगे बजाता हुआ चला डंकन और डोनल्ट स्टूअर्ट आगे बढ़कर क्रेगगोयन की सब से ऊपर की चोटी पर गये यहां पर सब नैाकर चाकर और असामी लोग अपनी २ जोरू लड़के बाले और कुटुम्ब सहित जमा थे हमारे छोटे २ दोस्त मेरी सीमन्स और लिज़ी स्टूअर्ट और चारो ग्रान्टश्रोप और लोग भी थे ॥

मैने पहिलां पत्थर रखा फिर आलबर्ट ने एक पत्थर रखा जिस के बाद लड़कों ने अपनी २ उम्र के क्रम से रखा सब लेडी और साहिबों ने एक एक रखा फिर तो सब लोगों ने एक ही दफ़े एक एक पत्थर ले आकर केरन पर रखा ऐबर्डीन साहिब और उन की बीबी भी यहां पर थीं मेके बांसरी बजा रहा था ह्विसकी शराब सब को दी गयी ॥

एक पूरा घंटा इस काम में लग गया साम्हने एक पत्थर पर आनंद से रील का नाच भी हो रहा था सब बूढ़े २ लोग नाचे और मेरी सी-मन्स और लिज़ीस्टूअर्ट आदि लड़कियां भी ख़ूब नाचीं नाचते हुए लीज़ी के बाल खुले लटक रहे थे सर राबर्ट गार्डन का बिचारा प्यारा बूढ़ा मंक नाम ईमानदार कुत्ता भी हम सभों के दर्मियान बैठा हुआ था अंत को जब सात आठ फुट ऊंचा हुआ और तैयारी पर आया आलबर्ट ने उस के ऊपर चढ़ कर आखिरी पत्थर रखा इस के बाद तीन दफे ख़ुशी की आवाज़ लोगों ने दी यहां का सब सामान छबि सा सुंदर देखकर मन में बड़ा हुलास हुआ और आनंद से मेरी आंखों में आंसू भर आये प्यारे पहाड़ों की ऊपर की सैर कैसी भली मालूम होती थी दिन कैसा निर्मल था और किसी बात में कोई कसर न थी ख़ुदा इस जगह को क़ाइम रखे और हम लोग फिर २ इस जगह में आवें और आनंद करें ॥

नाश्ते के बाद आलबर्ट की यह तजवीज़ हुई कि चलते चलाते एक दफ़े जंगल में शिकार की फ़िक्र करें विकी और मुझ को भी साथ लिया साढ़े तीन बजे हम लोग सवार होकर ग्रान्ट के मकान पास आये और यहां से केरप पहाड़ के एक तरफ़ से पैदल चले और इरादा यह था कि ऊपर की राह पकड़ें इतने में एक बारहसिंहे की आवाज़ सुनने में आई हम लोग जंगल की तरफ़ फिरे और घुटने के बल जाकर रास्ते के बीच मे पहुंचे आलबर्ट हम लोगों को यहां छोड़ कर झटपट नीचे उतर गये और हम लोग यहीं बैठ गये यकायक बन्दूक की आवाज़ सुनी फिर बिलकुल सन्नाटा पड़ गया थोड़ी देर बाद और तीन आवाज़ें हुईं फिर इस के साथ ही सन्नाटा हुआ एक आदमी को हम लोगों ने भेजा

कि ख़बर लावे उस ने तुरंत लौट आकर कहा कि बारहसिंहे ने दो चोट खायी है और लोगों ने उस का पीछा किया है इस के बाद मेकडोनल्ड गया औ पांच मिनट में सालोमन कुत्ते की डपट की आवाज़ सुनी मालूम हुआ कि बारहसिंहा कुत्ते की तरफ़ फिरा है और थोड़ी देर तक हम लोग कान् खड़ा किये रहे फिर इस उम्मेद से कि वक़ से पहुंच रहें नीचे उतरने लगे लेकिन कुत्तों का भूंकना बंद हो गया और आलबर्ट भी बारहसिंहे को मार चुके थे वह जानवर इन वरगेल्ड पहाड़ से थोड़ी दूर आगे रास्ते पर पड़ा था कल शाम को इसी जगह की सुंदरता देख कर हम लोग ख़ुश हुए थे बड़ा भारी शानदार बारहसिंहा था मेकडोनल्ड के जेब में एक टुकड़ा कागज़ था एक पत्थर पर रख कर उसी पर मैंने एक छोटीसी तसवीर घसीट ली और आलबर्ट औ विकी और औरों ने मिलकर एक छोटासा केरन अर्थात् पत्थर की ढूही इस जगह की याद रखने के लिये बना दिया जब मैं अपनी छोटी सी तसवीर लिख चुकी और हम लोगों की गाड़ी भी आचुकी थी सुना कि दूसरा बारहसिंहा सड़क के नज़दीक नज़र आया है और हम लोग उस जगह तक नहीं पहुंचे थे जहां पर बहुत भारी २ लोहों के छड़ पड़े हैं कि सड़क के नीचे एक बारहसिंहा देखा बहुत ही सुंदर मालूम दिया आलबर्ट ने उछलकर गोली चलाई जानवर गिरा लेकिन फिर उठ कर थोड़ी दूर चला आलबर्ट ने पीछा किया थोड़ी देर में चिल्लाहट मालूम हुई हम लोगों ने दौड़े हुए जाकर देखा कि ग्रान्ट और डोनलस्टूअर्ट एक बारहसिंहे को खींच रहे हैं उस का सिर सींगों से बहुत शोभित था आलबर्ट और ग्रान्ट और आगे बढ़ गये थे हम और विकी मेकडोनल्ड के साथ ठहर गये बारहसिंहा और कुत्ते भी यहीं पर रहे मैं बैठ कर तसवीर खींचने

लगी पर अफसोस कि बिचारी विक्की हड्डों के एक छत्ते पर बैठ गई और ख़ूब डंक लगे में मारे डर के पास न जा सकी मेकडोनल्डने उस को बचाया बीस मिनट पर आलबर्ट आये उन को ख़बर न थी कि बारहसिंहा मरा है आज का दिन कैसी ख़ुशी का था पर अफसोस कि यह अख़ीर दिन है साढ़े छ बजे घर आये सुंदर बारहसिंहा भी पहुंच गया था उसे देख हम लोग बहुत ख़ुश हुए ॥

हमारे नये मकान की नेव का पत्थर जमाने का हाल ।

सिप्टम्बर २८ सन् १८५३ ॥

आज तड़का बहुत साफ़ था लेकिन साढ़े दस बजे जब हम लोग बाहर टहलने को निकले बरसना शुरू हुआ और पानी ने ख़ूब झड़ बांध दिया पर बड़ी बात हुई कि दोही घंटे में खुल गया धूप निकल आई माने ईश्वर ने नये मकान की नेव का पत्थर जमाने का रस्म अदा करने के लिये यह कृपा की अम्मा और उन के साथ के सब लोग तीन बजने से पेश्तर एबरगेल्डाई से आये नीचे लिखे हुए नियम के क्रम ठीक ठीक इस रस्म का काम अन्जाम हुआ और यह बात देखने के योग्य हुई थी ॥

नियम ।

पत्थर तैयार हो कर दूसरे एक पत्थर पर खड़ा किया रहे और इस दूसरे में एक गढ़ा खुदा रहेगा कि उस में चिर्मी कागज़ और सिक्के बोतल में बन्द करके रखे जावें ॥

कारीगर लोग पत्थर से थोड़ी दूर पर कतार से अर्द्धचन्द्र की शकल पर खड़े हों और औरतें और घर के नोकर चाकर भी उस के अंदर उसी करीने पर रहैं ॥

महारानी भूपेश्वरी और राजराजेश्वर आलबर्ट लड़के बाले और डचेज़ केन्ट और मुसाहिब ओ मेहमानों के सहित चलेंगे ॥

महारानी और राजराजेश्वर और बादशाही ख़ानदान के लोग पत्थर के दक्षिण ओर खड़े होंगे और मुसाहिब लोग उन के पीछे और दाहिने बायं रहेंगे ॥

रेवरेन्ड एन्डरसन साहिब इस कार्य के लिये ईश्वर से प्रार्थना करेंगे महारानी चिर्मी कागज़ पर अपना दस्तख़त करेंगी और उस में नेव की तारीख दर्ज करदेंगी उन के बाद आलबर्ट और शाहज़ादे लोग और डचेज़ केन्ट और दूसरे जिन को महारानी आज्ञा देंगी अपना २ दस्तख़त करेंगे और वह कागज़ बोतल में रखा जायगा ॥

वर्तमान राज्य के हर एक प्रकार के सिक्के भी उस बोतल में रखे जायंगे और बोतल का मुह बन्द हो कर गढ़े में रखा जायगा तब एबरडीन का राजगीर स्मिथ साहिब महारानी के हाथ में करनी देगा और लेई बिछने पर पत्थर जमाया जायगा ॥

सहावल और कुनिये से साधे जाने पर कारख़ाने का मुत्सद्दी स्टूअर्ट साहिब मुंगरी हाज़िर करेगा महारानी उस से पत्थर को ठोंक देंगी और नेव के पत्थर जमाने की रस्म इस प्रकार से पूरी होगी और कार्नोकोपिया पत्थर पर रखा जायगा और तेल और शराब महारानी अपने हाथ से उस पर डालेंगी ॥

बांसुरी बजेगी औ महारानी शाही ख़ानदान के साथ वहां से चली जांयगी ॥

खाना तैयार होते ही कारीगर लोग खाना खाने जायंगे बाद खाने के स्मिथ साहिब सब लोगों को मुबारकबादी की शराब देंगे और वह पहिले महारानी के कुशल छेम के लिये पी जायगी फिर शाहज़ादा आलबर्ट और बादशाही ख़ानदान के लिये बाद इस के नये मकान की ख़ैरियत और कुशल और बालमुरल निवासी के मंगल के लिये पी जायगी ॥

तब कारीगर लोग खाना खाने के कमरे से निकल कर मैदान में सात बजे तक खेलते कूदते रहैंगे इतने में नाचघर में नाच शुरू होगा ॥

हम लोग तमाशागाह के चारो तरफ़ टहलते रहे और मैके बांसुरी वाला आगे आगे था ऐन्डर साहिब ने इस मौक़े की एक नमाज़ पढ़ी और हर बात जैसी चाहिए ख़ूबी के साथ होती गई सिर्फ़ हवा ज़रा तेज़ चलती थी जब सब काम ख़तम हुआ कारीगर और और लेगों ने मिलकर ज़ोर से जयकार की आवाज़ दी पौन घंटे के बाद खाना खाते हुए लोगों के देखने के लिये हम लोग मकान के अंदर गये फिर क्रेगगोएन के ऊपर टहलते रहे कि आलबर्ट को कोई मौक़ा शिकार का मिले बीस मिनट के लिये लोगों को बाल का नाच नांचते हुए नाचघर में देखने गये वे बड़े उमंग से नाच रहे थे ॥

गिर्जाघर ।

अकतूबर २६, सन् १८५४ ॥

अपने मामूल से बारह बजे हम लोग गिर्जाघर में गये ग्लासगो के रहनेवाले और डाकतर मेकलियड के बेटे रेवरेन्डमेकालयड् ने धर्म उपदेश कथा ऐसी खूबी से कही कि मैंने तो आज तक इस से बढ़ कर नहीं सुनी थी सहज रीति से बड़ी वाक्पटुता के साथ सुंदर उपमा के सहित और इस पर प्रशंसा के योग्य यह कि बिना पहिले से सोचे बूझे पादरी साहिब ने वर्णन किया उन के कथा का आशय नाईकोडीमस के रात्रि समय ईसा से भेंट करने के बयान में था जिस का ज़िक्र इन्जील-सैन्टजान के तीसरे खंड में है मेकलियड साहिब ने अपने उपदेश में यह बयान किया कि देखो हम सब लोग किस यत्न से स्वार्थसाधन में लगे रह कर काल यापन करते हैं और यही कारण है कि यथार्थ सुख हम लोगों को कभी प्राप्त नहीं होता और ईसा इस जगत में हम लोगों के निमित्त केवल प्रानहीं नहीं त्याग करने को आये बल्कि हम लोगों को इस संसार में किस प्रकार से रहना चाहिये यह भी सिखला गये हैं पादरी साहिब के दूसरे उपदेश ने भी हृदय को बेध दिया मनुष्यों के विषय में कहते हुए कैसे साधारण भांति से उन के पुत्रों के कुशल निमित्त ईश्वर से प्रार्थना की इस से और फिर जब उन्हों ने भरते हुए और जख़मी लोगों के क्लेश की शान्ति और बेवा और यतीमों के दुःख निवारण के लिये प्रार्थना की हमको तो रोमांच हो गया सब लोग बड़े आनंद से घर को फिर आये गिर्जाघर से ऐसी तबीयत के साथ फिर आना कितनी बड़ी बात है नौकर चाकर और हाईलैन्डर लोग सब के सब मगन हो गये ॥

बालमोरल के नये किले में पहुंचने का हाल ।

सितम्बर ७ सन् १८५५ ॥

सवा सात बजे हम लोग सोहावने बालमोरल में पहुंचे बड़ा अचरज हुआ मुझे मालूम पड़ा कि उसी पुराने घरमें से होकर हम लोग चले जहां वह घर और कचहरी का मकान मिला था वहां दरार होगई थी वह नया घर बहुत रमणीय देख पड़ता है बुर्ज और कमरे जहां मिलते हैं केवल आधे बने हैं और कचहरियां अब तक वे बनी पड़ी हैं इस-लिये अमीर लोग सिवाय प्रधान मंत्रीके* उसी पुराने मकान में रहते हैं बहुत से नोकर चाकर भी वहा हीं रहते हैं। वहां पर एक लम्बी कांठकी राह बनी है उसी जगह नये मकान से कचहरियां आकर मिली हैं। जब हम लोग दालान में पहुंचने लगे उस मकान में एक पुरानी जूती हम लोगों के पीछे लोकादी गयी यह मंगल का चिह्न है वह घर मनोहर है कमरे बहुत सुन्दर हैं और असबाब और कागज़ और सब वस्तु भली भांति से रखी थीं ॥

---

* बालमोरल में यह रीति है कि महाराणीके पास प्रधान मन्त्री सदा उपस्थित रहता है ॥

नये किले के नकशे का हाल ।

सितम्बर ८ १८५५ ॥

हम लोगों के कमरों की खिड़कियों के और पुस्तकालय और बैठक आदि के सामने और उनके नीचे डी नाम कंदरा और उसके पीछे पहाड़ थे सब बहुत सुंदर हैं पुराने घर से ये सब कभी नहीं देखलायी देते । हमलोग घूमते फिरते नदी के तीर गये और जो कुछ वहां बना था सब देखा और यह भी ख्याल में आगया कि अब क्या बनेगा इसके बाद उस मनोहर पुराने घर में से होकर अपने कमरों में गये यह देखकर हमलोग उदास हुए कि यह सूना पड़ा है और जो चीजें वहां आयी थीं उन्हें तरकीब से रखवाया ॥

सिवास्टपूल किले के टूटने की खबर ।

सितम्बर १० सन् १८५५ ॥

मम्मा और उनके साथी साहेब और बीबी खाना खा रही थीं और सब लोग बिजली की डांक से रूस की लड़ाईकी कुछ और खबर की प्रत्यासा में थे कि साढ़े १० बजे दो खबरें एक मेरे लिये और दूसरी लार्ड ग्रानविल के लिये आईं मेरे पास लार्ड क्लारेन्डन ने भेजा उसे मैं पढ़ने लगी मार-सल पलीसियर से यह मालूम हुआ कि रूस के और जहाज नष्ट किये गये। इस बीच में लार्ड ग्रानविल ने कहा कि हमारे पास और अच्छी खबर है सुनो जर्नेल सिम्पसन साहेब लिखते हैं कि सिवास्टपूल का किला हम लोगों के हाथ में आगया ईश्वर का गुणानुवाद करना चाहिये हम लोगों को बड़ा आनंद हुआ पर इस मंगल समाचार पर पूरा विश्वास न हुआ इसलिये कि बहुत दिन बीता था सब को बड़ी चिंता थी और कोई ठीक हाल नहीं कहसक्ता था ॥

आलबर्ट ने कहा कि चलकर अब चटपट आनंद की रोशनी करावें परसाल शहर के फतह होजाने की झूठी ख़बर जब पहुंची थी तब सब तयारी होगयी थी और अब तक सब चीजें दुरुस्त हैं । नवंबर की पांचईं तारीख़ याने इर्कमन् की लड़ाई के दिन हवा के सबब से वह बुझगयी हम लोगों को अचरज हुआ और अब बड़ा अचरज है और मालूम होता है कि जब लोग फिर रोशनी करें तभी रोशनी हो सचमुच नया घर का बड़ा भाग्य है कि जिस क्षण में हम लोग यहां पहुंचे हैं उसी क्षण से अच्छी २ ख़बर मिलती है थोड़ीही देर में आलबर्ट और

सब अमीर तरह बतरह की पोशाक पहिने सब नोकर चाकर गांव के सब लोग रखवाले टहलुवे मजूरे साथ लिये पहाड़ी की चोटी पर पहुंचे हम लोग इंतिजार में देखते थे कि वे लोग रोशनी कर रहे हैं और आनंद में मगन हैं रोशनी साफ थी उसके गिर्द बहुत सी सूरतें दिखलायी देती थीं रास* बासुरी बजाता था ग्रेन्ट और मेकडोनाल्ड तोप छोड़ रहे थे और बेचारा बूढ़ा फ्रेंकाइस † डे अलबरटन कान नीचे पटाखे मुर्रे छोड़ रहा था । पैान घंटे के पीछे आलबर्ट नीचे आकर कहने लगे कि रोशनी का तमाशा बहुत अच्छा और हरएक चीज से बढ़कर हुआ लोग शराब पीकर आनंद कर रहे हैं । सारे मकान के लोग अद्भुत आनंद में मगन थे । लड़के मुशकिल से जागे और प्रार्थना करने लगे कि पहाड़ों के ऊपर जाने की आज्ञा मिले हम लोग पैाने बारह बजे तक वहां रहे और जैसेही मैं पोशाक उतारती थी सब लोग खिड़कियों के नीचे आये कोई बासुरी बजाता कोई गाता कोई बंदूक छोड़ता और कोइ खुशी करता था ये तमाशे पहिले हमारे लिये तब आलबर्ट के लिये फिर फरासीस के शाहंशाह के लिये और तिस पीछे सिवास्टपुल के किले के तोड़े जाने के लिये हुए ॥

---

* सन् १८५४ ईसवी से हमारा बंसीवाला था इसने ब्यालीसवीं घाघरेवाली पलटन में १७ बरस नोकरी की थी यह बहुत भला आदमी और प्रतिष्ठित था ।

† यह शख्स सर आर, गार्डन का पुराना नोकर है उस घर का अधिकार यही रखता था आलसेस का रहनेवाला था सन् १८५८ ईसवी में मर गया ।

शाहज़ादी के विवाह का हाल ।

सितम्बर २६ सन् १८५५ ॥

हम लोगों की प्यारी विकटोरिया से और प्रूस देश के शाहज़ादे फ्रेडरिक विलियम से आज ब्याह का इकरार हुआ बादशाहजादा हम लोगों की मुलाक़ात के लिये चौदहीं तारीख से आया था उसने अपनी इच्छा बीसवीं तारीख़ को प्रगट की थी पर शाहज़ादी के निहायत कम उमर के सबब हम लोगों को यक़ीन नहीं होता था कि शाहज़ादे को उससे अभी कहना चाहिये या जब फिरके आवे तब कहे पर हम लोगों ने सोचा कि बिहतर है वह कहे जब हम लोग क्रेगनाबोन की ओर आज तीसरे पहर को सवार होकर जाते थे शाहज़ादे ने एक टुकड़ा हीदर का (सौभाग्य का चिह्न है) उठाकर शाहज़ादी को दिया और इस प्रकार से उसने अपनी इच्छा और आशा प्रकाश की उस समय वे ग्लेमगरनाक को चले इससे आनन्ददर्शक फल प्रगट भया ॥

गिर्जाघर ।

अकतूबर १४ सन् १८५५ ॥

बारह बजे गिर्जाघर में पहुंचे । पादरी जेकार्ड साहिब ने जो कि स्काटलेन्ड में बड़े २ प्रसिद्ध उपदेशकों में से थे कुछ पढ़ा. उनके अद्भुत और मनोहर उपदेश से सब लोगों का मन मोहित होगया और किसी का मन उसके सुनने से दूसरी ओर न जाता था उसमें करीब एक घंटे

के लगा । यह पाठ रूमियों के बारहवें अध्याय का ग्यारहवां वाक्य था यथा (कार्य में निरालसी और मन में उद्योगी होकर प्रभु की सेवा कर) फिर उसने बड़ी सुंदरता और सीधी तरह से बर्णन किया कि सच्चा मजहब क्या बस्तु है फिर उसने कहा कि इसी नियम के अनुसार सब काम करना चाहिये यह विषय केवल अतवारों के लिये अथवा घर में के लिये नहीं है यह इस वास्ते नहीं है कि हम लोग दुनिया छोड़ दें और न इसलिये है कि सदा अच्छी २ किताबें पढ़ा करें लेकिन अच्छे २ काम करें और नेक होजावें और हर एक काम क्रीष्ट धर्म के अनुसार करें । इसका उपदेश भो जैसा कि परसाल मेक्लौड साहिब का हुआ था वैसाही हुआ और हम लोग उससे बहुत फल पाकर घर फिर आये ॥

अब देखा तो पुराना किला नहीं है ।

साम को सात बजे बालमोरल में पहुंचे और देखा कि बुर्ज और कचहरी के मकानात तयार होगये हैं लेकिन वह पुराना घर नष्ट होगया यह सब बहुत अच्छा हुआ ॥

नये किले के गिर्द बाग़चे वग़ैर: का हाल ।

अगस्त ३१ सन् १८५६ ॥

हम लोग दर्या के कनारे और मकान के बाहर सैर करने गये । नयी नयी कचहरियों के नये मकानात और हाते निहायत अच्छे हैं और वह छोटा बाग़ पच्छम तरफ़ गिड्डुफौव्वारे के साथ जो कि प्रूस के बादशाह ने मुझे दिया था और जो विंडसर में ग्रीनहौस में (अर्थात

हरित मन्दिर) रहा था निहायत सुंदर है और भी फूलों की क्यारियां डी के सामने की दीवार के नीचे निहायत अच्छी हैं। तरह २ की गिलटी ढालों पर हथियारों की सूरतें बनी हैं निहायत भली लगती हैं। और खिड़कियों के नीचे एक बेगिलटी पत्थर की मूर्ति थी एक तरफ सेंट एंड्रिव के साथ. हर्बर्ट की सूरत और दूसरी तरफ सेंट जार्ज की सूरत बनी थी। टामिस ने इन सभों को बनाया था * ॥

बालमोरल जगह के चाहने का हाल ।

अकतूबर १३ सन् १८५६ ॥

इस प्रिय स्वर्ग में हमारा मन हरसाल अधिक से अधिक लगता जाता है और अब और अधिक लगता है क्योंकि सब हमारे प्रिय आ-लबर्ट की रचना है उन्ही का काम है उन्हीं के मकानात हैं उन्हीं के नकशे हैं जैसा कि आसबर्न में है और हर कहीं उनके प्यारे हाथ की रचना का चिह्न ज़ाहिर है आज वे बहुत बझे रहे हैं आयन्दा साल के लिये बहुतेरी चीजों का इन्तिज़ाम कर रहे हैं ॥

डी के लिन के नये पुल के जारी होने का हाल ।

सितंबर ८ सन् १८५७ ॥

डेढ़ बजे हम लोग हैलेंड के मुल्क में पहुंचे आलबर्ट शाहाना स्टु-आर्ट नाम कपड़ा पहने थे मैं और लड़कियां उसी किस्म की पोशाक पहने साथ उन अमीरज़ादियों के जो पांच बजें फ़जर को मार्लोज

* सन् १८६२ ई० मार्च महीने में यह मर गया शाहज़ादा इसे बड़ा गुनी समझता था ॥

की जियाफ़त में से फिर आई थीं ओरडन अमीरों के साथ डी के लिन के नये पुल के जारी करने के लिये वहां गयीं। वह गुफा खूबसूरत देख पड़ती थी॥

वहां पर लार्ड फेफ और ब्रूक साहिब सब लोगों के लेने के लिये गाड़ी के नज़दीक चले आये बांसुरी बजती थी राह में कतार बांधकर डफ लोग खड़े थे। पुल पर फेफ साहेब की मेम हम लोगों के इस्तिक-बाल के लिये पहुंचीं हम सभों ने शराब पीकर आनंद से कहा कि सदा इस पुल का भाग्य जागता रहे यहां से लिन बहुत अच्छी देख पड़ती है। सब फौज और बाजेवाले उस पुल के किनारे पर तंबू के बाहर खड़े थे। यहां पर हम लोगों ने चाह पीकर उन लोगों से बातचीत की तब मार्लोज के रस्ते फिर आये फेफ घराने के लोग उस जगह के अंत तक हम लोगों के आगे २ चले। जो लोग गार्दरिंग्स में थे याने केंपडेंस, एरोल्स, यरलीस, बूढ़ी अमीरज़ादी डफ ब्रूक साहिब और उनकी मेम और दूसरे यहां पर भी आये साढ़े पांच बजे हम लोग घर पर पहुंचे रस्ते में कुछ पानी बरसा॥

बूढ़ी औरतों की मुलाकात का हाल।

सितंबर २६ सन् १८५७॥

आलबर्ट उस रोज़ आलफ्रेड के साथ बाहर गये और मैं दो लड़-कियों और अमीरज़ादी चर्चिल के साथ टहलते २ बाहर गयी दूकान पर खड़ी होकर गरीब गुरबाओं के लिये कुछ ख़रीद किया थोड़ी दूर गाड़ी पर चढ़कर गई फिर उतरकर बालना क्राफ़ृ तक यानी बीबी फार्कुहारसन्

के मकान तक पहाड़ी पर उतरकर चली और वह मेम साहिब कई एक झोपड़ियों की तरफ हम लोगों के साथ चली आई और जहां ग़रीब लोग रहते थे हमको दिखलाया और उनसे कहा कि हम कौन हैं। किसी के पास जाने के पहले एक बूढ़ी औरत हम लोगों को मिली फार्कुहारसन् साहिब की मेम ने कहा कि यह बड़ी ग़रीब है उमर इस की ८८ बरस की है और उस पहले शराब बनानेवाले की मां है। मैंने उसे एक कुर्ता दिया उसकी आंखों से आंसू बहने लगा मेरा हाथ पकड़कर आशीर्वाद दिया कि ईश्वर तुम्हारा भला करे इससे मेरे दिल पर बड़ा असर हुआ॥

फिर मैं किटीक्रियर बुढ़िया की छोटी झोपड़ी में गयी इसकी उमर ८६ बरस की है लेकिन झुक नहीं गयी है उसने बड़े दबदबे के साथ हम लोगों का कुशल क्षेम पूछा फिर बैठकर चर्खा कातने लगी मैंने उसे भी एक कुर्ती दी उसने आशीर्वाद दिया ईश्वर तुम्हारी और तुम्हारे बाल बच्चों की इस लोक और परलोक में रक्षा करे और भगवान तुम्हे राह दिखलावे और सब हानि से बचावे॥

विक्री की ऊंचाई देखकर निहायत अचंभे में हुई लोगों को उससे बहुत फाइदा पहुंचता है हम लोग एक झोपड़ी की ओर जो पहले जीनगार्डन की थी बढ़े सैमन्स बूढ़ी बेवा की मुलाकात की इसकी उमर ८० बरस की है इसका चिहरा बहुत खूबसूरत है पर बहुत झुक गयी है यह बड़ी मुहब्बतवाली औरत है हम सभों से हाथ मिलाकर पूछने लगी कि तुम कौन हो और नाना प्रकार का आशीर्वाद देने लगी कि परमेश्वर तुम्हे सुख चैन में रक्खे सदा इस संसार में और परलोक में